22 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2025
SINCE 1998
# टेक्सटाइल वर्ल्ड

## पीढ़ियां बदल जाती हैं,
## पहनावा भी नए रंगों में ढलता है।
## पर भरोसे का यह रिश्ता,
## सदा साथ निभाता है!!

सदियों से सियाराम्स् ने सिर्फ़ कपड़े ही नहीं,
ख़ुशियाँ भी बुनी हैं।

यहाँ रिश्ते बुने गए हैं, सपनों ने आकार लिया है,
और हर धागे में यादों की मुस्कुराहट छुपी हुई है।

फ़ैशन तो समय के साथ बदल जाता है,
पर जो रह जाता है, वो आपका और हमारा साथ।

असली शान सिर्फ़ पहनने में नहीं,
बल्कि उसे गर्व के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी तक पहुंचाने में है।

come home to
**Siyaram's**

Scan the QR Code and Watch the Video

Available at all the leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005. For franchise enquiries, contact: 9820197273
Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on: You Tube

J.HAMPSTEAD
WORLD'S FINEST FABRIC & APPAREL
A DIFFERENT LEAGUE

SCAN THE QR CODE TO VIEW THE VIDEO

PLEASE FOLLOW THE STEPS TO SCAN THE QR CODE

1 Open Google Lens.
2 Tap the magnifying glass icon.
3 Point your camera at the QR code.
4 Tap the pop-up that appears to view the QR code content.

Available at J.Hampstead Exclusive Brand Outlets: Borivali | Navi Mumbai | Nawanshahr (Punjab) | Palanpur | Ratlam | Vadodara | Gwalior | Lucknow | Bareilly
Also, available at all the leading retail outlets and Siyaram's SHOP across the country.
For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. | Toll-free No.: 1800 209 4005. For franchise enquiries, contact: +91 98333 67616.
Email: enquiries.jhampstead@siyaram.com | Follow us on:

पाक्षिक

# टेक्सटाइल वर्ल्ड

SINCE 1998

Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 24-10-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-28 | अंक-09 | भीलवाड़ा/22 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ- 16 | मूल्य : 25 रुपए

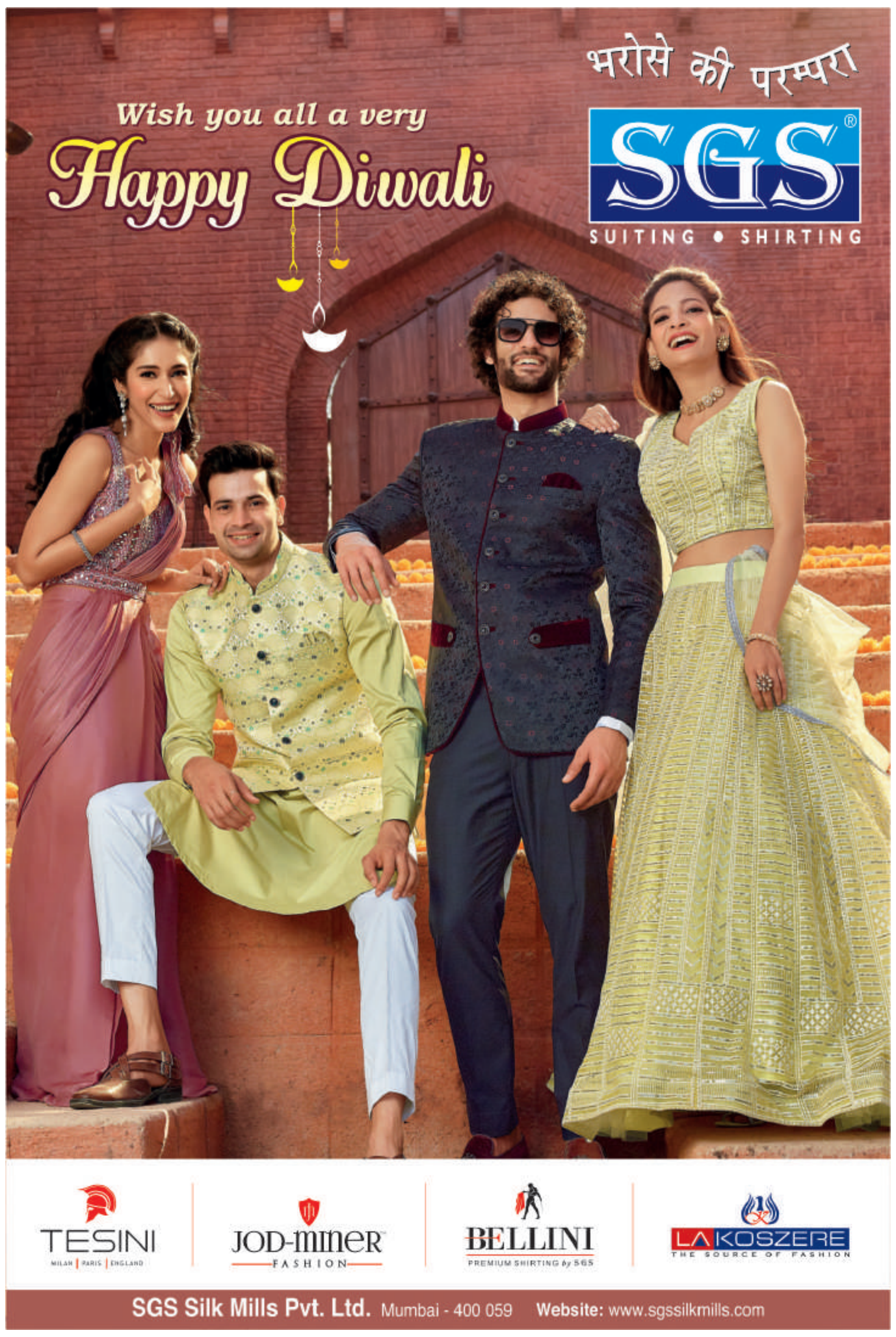

## हैवी क्वालिटी पेंट-शर्ट, वूलन गारमेण्ट की मांग बढ़ने का अनुमान

**मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय**

गारमेण्ट की बिक्री में रौनक ही रौनक है। दीपावली से कुछ समय पहले जेंट्स, लेडीज और चिल्ड्रन वियर में रिटेल ग्राहकी का बढ़ना बाजार के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। गारमेण्ट कारखानों में दीपावली के अवसर पर छुट्टी होने और फिर कामकाज लाभपंचमी के बाद शुरू होने से ऑर्डर को निपटाने पर जोर दिया जा रहा है। दीपावली के बाद वैवाहिक सीजन शुरू हो रही है। वैवाहिक सीजन में ही कपड़ों एवं गारमेण्ट में करोड़ों के कारोबार होते हैं। बारिश अच्छी होने से आगे सर्दी पड़ने की संभावना से सीजनल फैंसी कपड़ों के साथ हैवी क्वालिटी के पेंट-शर्ट सहित वूलन वैरायटी के गारमेण्ट की मांग बढ़ने का अनुमान है।

टैरिफ संकट के बीच अमेरिका के निर्यात को झटका लगा है। निर्यातक इकाइयों के कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ा है, लेकिन ब्रिटेन के साथ भारत का मुक्त व्यापार करार होने से भारत का क्लोदिंग व्यापार तीन से साढ़े तीन अरब डॉलर का रहा है। यह शुल्क मुक्त होने से 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। भारत के टेक्सटाइल एवं क्लोदिंग का बाजार जो वर्ष 2024 में 179 अरब डॉलर रहा है और प्रतिवर्ष औसतन सात प्रतिशत की वृद्धि रही हैं। अमेरिकी टैरिफ अवरोधों के कारण देश से निर्यात बढ़ाने में कुछ समय के लिए दिक्कतें हो सकती है, लेकिन भारत जैसे बड़े बाजार को नकारा नही जा सकता है। समर की तैयारियों में जुटे गारमेण्टर्स की उक्त सीजन में चलने वाली शर्टिंग की मांग बढ़ी है। गारमेण्टर्स के पास ऑर्डर अधिक होने से दिवाली तक की बुकिंग पहले ही पूरी हो चुकी है। इनमें फैशनेबल और फैंसी वैरायटी की शर्टिंग की मांग बढ़ी है। व्यापारियों का अनुमान है कि दीपावली पर बेहतरीन शर्ट खरीदना लोग पसंद करते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चैनलों ने दिवाली जैसे फेस्टिव के अवसर पर विविध प्रकार के ऑफर्स और डिस्काउंट के माध्यम से फैशन ब्राण्डों की बिक्री बढ़ा दी है। शेषांश पृष्ठ 6 पर...

# सांसद श्री दामोदर अग्रवाल का अथक प्रयास लाया रंग

## राज्य सरकार द्वारा टेक्सटाइल पार्क के लिए किए 250 करोड़ रू. स्वीकृत

**भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास**

स्थानीय वस्त्र मण्डी के लिए कई दशकों से उम्मीद थी कि यहाँ पर टेक्सटाइल पार्क बनना चाहिए, जो सांसद श्री दामोदर अग्रवाल के प्रयास से यह सपना पूरा होने जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की हुरड़ा तहसील के रूपाहेली गाँव में प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क को राजस्थान सरकार द्वारा प्रशासनिक आदेश प्रदान करते हुए 250 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। गौरतलब है कि इससे पूर्व में रूपाहेली के पास 1273 बीघा (178 हेक्टेयर) भूमि का आवंटन किया जा चुका है। अतः बजट स्वीकृति के बाद इस क्षेत्र में तेजी से डवलपमेण्ट शुरू हो सकेगा।

### टेक्सटाइल सेक्टर के लिए बड़ा आयाम

सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि टेक्सटाइल पार्क पीएम मित्रा योजना के तहत मिलेगा, लेकिन इस बजट में योजना लॉन्च नहीं हुई। इसके बावजूद मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने 250 करोड़ की स्वीकृति जारी कर टेक्सटाइल उद्योग को बड़ी गति प्रदान की है।

### टेक्सटाइल पार्क की योजना एवं सुविधाएं

इसके अंतर्गत स्पिनिंग, वीविंग, प्रोसेसिंग एवं रेडीमेड गारमेण्ट सेक्टर के लिए एक ही परिसर में सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होगी। सांसद कार्यालय प्रभारी श्री प्रेम गर्ग ने बताया कि इस बजट से टेक्सटाइल के इन सभी सेक्टर के लिए अलग-अलग खंड बनाए जाएंगे। इसके अलावा पार्क में डम्पिंग यार्ड, अर्थ स्टेशन, सामुदायिक भवन, बैंक, स्किल डवलपमेण्ट सेंटर, फायर स्टेशन, पुलिस स्टेशन, हॉस्पिटल, डिस्पेंसरी, लेबर क्वार्टर एवं सुलभ कॉम्प्लेक्स इत्यादि की उम्दा व्यवस्थाएं होगी। पार्क बनने के बाद हजारों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा एवं पूरे देश में वस्त्र मण्डी को नई पहचान मिलेगी और निर्यात बाजार के लिए भी नई राह खुलेगी।

### एक नये इंडस्ट्रियल जोन के रूप में उभरेगा शहर

इस क्षेत्र में एक नया भीलवाड़ा विकसित होगा, जिसे गांधीनगर (अहमदाबाद), नोएडा (दिल्ली एनसीआर , यूपी), वापी (मुम्बई) इत्यादि औद्योगिक जोन के रूप में विकसित हुए। इसी तरह भीलवाड़ा के इस क्षेत्र में सभी सुविधाएं एक साथ मिलेगी और खास बात है कि सड़क मार्ग सिक्स लेन, ब्रॉड गेज, रेलमार्ग से देश की कनेक्टिविटी भी बेहतर है एवं नजदीकी एयरपोर्ट किशनगढ़ एवं जयपुर जहाँ से 2-3 घण्टे में पहुँचा जा सकेगा।

**श्रीराम सिंटेक्स प्रा. लि. के डायरेक्टर श्री बी जी झँवर ने बताया कि भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क का कई वर्षों से इंतजार था जो अब पूरा हुआ एवं आने वाले पाँच वर्षों में देश के कपड़ा उद्योग में बड़ा केंद्र उभरकर सामने आएगा। इन्होंने बताया कि स्पिनिंग, वीविंग एवं प्रोसेसिंग के अलावा अब रेडीमेड गारमेण्ट सेक्टर तेजी से ग्रोथ करेगा, क्योंकि एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं एवं कच्चा माल उपलब्ध होगा। सरकार द्वारा निर्मित इस पार्क में 150 गारमेण्ट इंडस्ट्रीज, 4 प्रोसेस गृह, 75 वीविंग व 4 स्पिनिंग प्लांट स्थापित होंगे, जिससे कपड़ा उद्योग को पंख लगेंगे, बल्कि बड़ी तादाद में रोजगार भी उपलब्ध होगा। श्री झँवर ने बताया कि वस्त्र मण्डी फैब्रिक में तो नाम स्थापित कर चुकी है, परंतु इन सबके एक साथ होने से रेडीमेड गारमेण्ट का उत्पादन बढ़ेगा, क्योंकि व्यापारी कम लागत में क्वालिटी उत्पादों का निर्माण करेंगे जो देश में खरीदी का प्रमुख केंद बनेगा।**

# जबरदस्त ग्राहकी से व्यापारियों में खुशी की लहर

**उदयपुर/ नवीन कोठारी...** वस्त्र व्यापारी सालभर से इस सीजन का इंतजार करते हैं। वैसे तो साल में अनेक त्योहार, उत्सव और शादी-विवाह के सीजन कई बार आते हैं और तब बाजार में अच्छी ग्राहकी भी रहती है, लेकिन दिपावली के सीजन की बात ही कुछ और होती है। इस सीजन की तैयारी रक्षाबंधन के बाद से ही शुरू हो जाती है। वस्त्र व्यापारी पुराना स्टॉक निकालने में लग जाते हैं और डिस्काउंट सेल शुरू हो जाती है तथा प्रतिष्ठानों की मरम्मत का काम, प्रतिष्ठानों को नया लुक देने का काम व नये प्रतिष्ठानों के शुभारम्भ की तैयारियाँ देखने को मिलती है। यह सभी कार्य ज्यादातर नवरात्रा से पूर्व निपटाने के प्रयास रहते हैं, परन्तु काफी नये वस्त्र प्रतिष्ठानों का शुभारम्भ धनतेरस और दीपावली जैसे अवसरों पर होता है। अभी शहर में कुछ बड़े शोरूम और प्रतिष्ठानों का शुभारम्भ भी दीपावली पर होने वाला है। वस्त्र बाजारों की साज-सज्जा, लाइटिंग इत्यादि का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। इन दिनों शहर में देशी पर्यटकों की जबरदस्त आवाजाही के मद्देनजर प्रशासन भी मुस्तैद है। आने वाले पर्यटकों से वस्त्र बाजार में खरीददारी तेज होगी। इसलिए वस्त्र व्यापारी भी प्रशासन का सहयोग करते हुए अपने व ग्राहकों के लिए वाहन पार्किंग हेतु उचित स्थान उपलब्ध करवा रहे है तथा बाजार में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। साथ ही हल्की-हल्की सर्दी ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी स्थानीय समोर बाग में तिब्बतियन वूलन बाजार सजकर तैयार हो चुका है। इस बाजार में कुल 57 दुकाने लगी हैं, जहाँ बिल्कुल नये फैशन के ऊनी वस्त्र बिक्री हेतु उपलब्ध है। बाजार की समस्त व्यवस्था तिब्बतियों द्वारा की जाती है। सभी दुकानें लॉटरी चयनित स्थान पर लगती है और व्यवस्थित पार्किंग व जलपान की व्यवस्था बाजार में रहती है। इन लोगों की ग्राहकों पर भी पेनी नजर रहती है। जानकार बताते है कि दीपावली सीजन वस्त्र-व्यापारियों के आशानुरूप रहने वाली है। इस बार सर्दी भी अधिक रहने के आसार को देखते हुए ऊनी वस्त्रों की बिक्री भी अच्छी रहने वाली हैं।

# त्योहारी सीजन में ग्राहकी जबरदस्त

**रेवाड़ी/ जयप्रकाश शर्मा**

बाजार में दीपावली पर ग्राहकी जोरों से चल रही है। रेडीमेड बच्चों के कपड़े अच्छे बिक रहे हैं। अभी दुकानदार के पास लोई, कम्बल, पेंट-शर्ट की ग्राहकी अच्छी हो रही है। इस समय रिटेल दुकानदार के पास ग्राहकी बहुत अच्छी है। अभी मार्केट में सोना-चाँदी के आभूषण इत्यादि अच्छे बिक रहे हैं। धनतेरस पर मार्केट में कपड़ों की खरीददारी अच्छी है। साड़ियों की ग्राहकी की डिमाण्ड 800 से 2200 रूपए तक बनी हुई है। हर्ष एम्पोरियम शिव कुमार के रेडीमेड ग्राहकी जोर-शोर से हो रही है। बच्चों के कपड़ों में अलग-अलग डिजाइंस के कोट-पेंट, शर्ट, लोअर, जींस की ग्राहकी अच्छी है। शिव कुमार शर्मा ने दीपावली पर डिस्काउंट दे रखा है। अभी दुकानदारों के पास रिटेल ग्राहकी अच्छी है। भैरव टेक्सटाइल्स श्री लहरीलाल के पोशाक ड्रेसों की ग्राहकी अच्छी है और राजपूती ड्रेसेज की डिमाण्ड है। बाजार में लाइट इत्यादि की रौनक छाई हुई है। इस समय रिटेल में अच्छी बुकिंग चल रही है। पैमेंट की आवक अच्छी है तथा मिलों में पेमेंट बराबर जा रहा है।

# करवा चौथ और दीपावली पर जमकर हुआ व्यापार

**सतना/ बलराम शुक्ला**

स्थानीय वस्त्र मण्डी में विगत काफी समय से व्यापार शांत है। त्योहारों के फेल होने से व्यापारीवर्ग परेशान था और सोचने पर मजबूर हो गया था कि कुछ नया व्यापार किया जाए, लेकिन वैश्विक मंदी देखकर कुछ नया करने की हिम्मत नही हो रही थी। सभी प्रकार के व्यापार को ऑनलाइन शॉपिंग ने प्रभावित कर रखा है, लेकिन लोग अच्छे समय का इंतजार कर रहे थे और अचानक त्योहारों के आगमन से व्यापारीवर्ग के चेहरे पर खुशी आने लगी। जब करवाचौथ का त्योहार आया तो हर समाज के लोगों ने परम्परागत त्योहार को नये अंदाज में मनाना शुरू कर दिया। लहंगों और फैंसी साड़ियों की जोरदार मांग रही तथा ब्यूटी पार्लर और सोने-चांदी की दुकानों में महिलाओं की भीड़ थी। सभी का कामकाज अच्छा हुआ है। दीपावली में गिफ्ट पैकिंग व कपड़ों की अच्छी मांग रही तथा यह त्योहार दो दिन मनाया गया। अतः व्यापार संतोषजनक रहा है।

# आगामी वैवाहिक सीजन की तैयारी में जुटे व्यापारी

**मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल**

दीपावली पर दुकानदार जबरदस्त तैयारी करता है कि अच्छी ग्राहकी निकलेगी और अच्छी बिक्री होगी। मुजफ्फरनगर में भी व्यापारियों ने त्योहारी सीजन के आगमन पर ग्राहकों को लुभाने के लिए नयी-नयी वैरायटी की भरपूर रेंज का स्टॉक मंगाया। इस समय माल की बिक्री तो हो रही है, किन्तु जो पीक सीजन वाली स्थिति होनी चाहिए, उस स्थिति से कुछ चंद ही व्यापारी लाभांवित हो पाए बाकी को काम चलाना पड़ा। सीजन के दौरान कुछ पार्टिया पेमेंट की भरपाई नही कर पा रही हैं, किन्तु समझबूझ से चलने वाले व्यापारियों का पेमेंट अभी भी टॉप क्लास बना हुआ है। अब त्योहार के तुरन्त बाद लग्न- सावा मुहूर्त का सीजन शुरू हो जाएगा, जिसमें कपड़े के प्रत्येक सेगमेंट सूटिंग-शर्टिंग, साड़ी, लेडीज सूट, हैंडलूम, रेडीमेड गारमेण्ट्स सभी में बराबर काम चलता रहेगा। यद्यपि कपड़े में बदलता फैशन, बढ़ती वैरायटी, ग्राहक की चॉइस, ऑनलाइन और उधारी लगातार चुनौतीपूर्ण रहा है और आगे भी रहेगा।

मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित व्यापारियों सर्व श्री विनोद डाबर, सुदर्शन खरबंदा, मनोहर लाल ग्रोवर, गुलाटी जी, संजीव गोयल बॉबी, मनोज गोयल, अमित सिंघल, पवन बत्रा, इंद्र सुनेजा, सुशील छाबड़ा, अज्जू मदान, अशोक छाबड़ा, घनश्याम पालीवाल, भंवर लाल, के पी त्यागी, अमृत राठी, लक्ष्मण रस्तोगी, वैभव खन्ना, अनिल नामदेव, राधे तायल दिनेश भगत आदि के अनुसार कामकाम अभी बराबर चलता रहेगा।

Kalpatru
TRULY WONDERFUL
Manufacturers Of Exclusive
Shirtings & Corporate Uniform
KALPATRU SYNTHETICS
PRIVAT LIMITED
CORP. OFF:- Rajlaxmi Comm. Complex, 'J' Bldg., 2nd Floor, Gala No. 216 to 218 Kalher Village, Bhiwandi,Thane- 421 302. Tel: 95951-46883, 95952-46882
REGD. OFF:- 26, Bandrawala Bldg., 2nd Floor, 16, Dadi Seth Agiari Lane, Mumbai- 02. Ph.: 022-2240 0642 / 40056305, Mob.: 93202-12219, 80807-77101
Helpline no +91 7219896584 | E-mail: kalpatru_syn@yahoo.co.in

As Comfortable as it looks
JINDAL FAB
SUITINGS & SHIRTINGS
JINDAL FABRICS PVT. LTD.
MUMBAI

Collection of Impression
The Perfect Man
Servicom's
FINE SUITINGS
Servicom Rayon India
e-mail : servicomrayonindia@yahoo.in
Mumbai office : 99, Dadiseth Agiary Lane, 2nd, Floor, Mumbai-2 Ph.: 022-22050755, Cell : 093242-20245
Bhilwara Office: G-9/10, 4th Phase, RIICO Ind. Area, Bhilwara (Raj.) Ph.: 01482-297324, Cell: 094141-14324

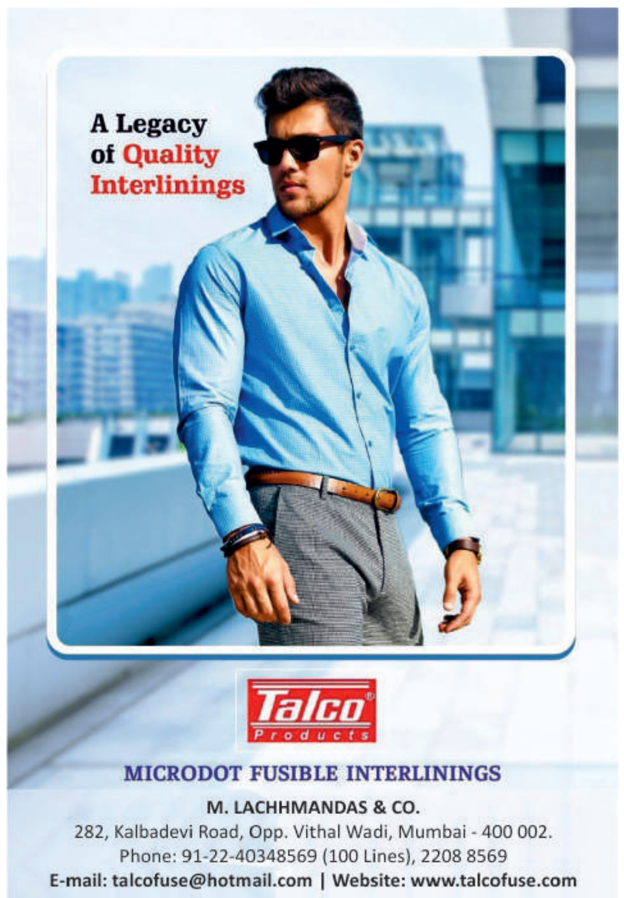
A Legacy
of Quality
Interlinings
Talco
Products
MICRODOT FUSIBLE INTERLININGS
M. LACHHMANDAS & CO.
282, Kalbadevi Road, Opp. Vithal Wadi, Mumbai - 400 002.
Phone: 91-22-40348569 (100 Lines), 2208 8569
E-mail: talcofuse@hotmail.com | Website: www.talcofuse.com

www.sparshfab.com
Sparsh-Fab
UNIFORM FABRIC
THOUGHTFUL UNIFORMS
पेश है
3X COOL
एक ऐसी टेक्नोलॉजी जो रखे पहनने वालों को कम्फर्टेबल दिनभर और
आप को रखे व्यवसाय में अग्रेसर।
एक ऐसा फैब्रिक जो सोखे पसीना १० सेकण्ड्स में, दाग-धब्बे और धूल-मिट्टी को जमने न दे, कपड़ा जो हो सुरक्षित और टिकाऊ.
डायनामिक ड्राइंग
मॉइस्चर को सोखे, कपडे को तुरंत सुखाए, आपको रखे चुस्त और तंदुरुस्त.
एयर परमेएबिलिटी
ज्यादा एयर परमीअबिलिटी रखे आप को आरामदेह और कूल
सॉइल रिलीज़
दाग-धब्बे और धूल-मिट्टी को जमने न दे, क्लीनिंग को बनाये आसान
चैक्स और लाइनिंग में
३६ पन्ने में तैयार स्टॉक
ऑन डिमांड अन्य डिज़ाइन में भी उपलब्ध
यह फीचर कैसे काम करता है यह जानने के लिए स्कैन करें
आपके ऑर्डर के लिए सम्पर्क :
98202 07953 / 74200 24089

HAR DIN
WONDERFUL
Siyaram's
SHIRTINGS
Scan the QR Code and
Watch the Video
ACCLAIM
The 21st Century Shirting Fabric
VICTORY
Premium Shirting Fabric
SPIRIT
100% Cotton Shirting
EVITA
BAMBOO NX
Available at all the leading retail outlets and Siyaram's Shops across the country. For trade/corporate enquiries,
contact: 022-68330500. Toll-free No.: 1800 209 4005. For franchise enquiries, contact: 09820197273.
Email: enquiries@siyaram.com | www.siyaram.com Follow us on: YouTube

modella
Since 1965
We Weave Warmth!
CLASSIC
BLAZER
modella
Fashion
FINEST TWEED FABRICS
FOR TRADE ENQUIRY : Contact : 82640-40737 | Website : www.modella.in | Email: modella.wool@gmail.com

MONTI LINEN
LEGACY OF EXCELLENCE
TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.
@TESSITURAMONTI.INDIA
Factory & Registered Office :
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer,
Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra.
INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in
Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027,
INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in
Tessitura Monti India Pvt. Ltd.
BORN IN ITALY 1911
European Flax
Premium linen fibre

## अमेरिकी टैरिफ का असर

# सितम्बर में टेक्सटाइल, गारमेण्ट निर्यात को लगा झटका

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

अमेरिका द्वारा भारत से अनेक वस्तुओं के आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिए जाने से सितम्बर के दौरान भारत से टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में भारी गिरावट आई है। हालांकि पूर्व में शानदार प्रदर्शन के कारण चालू वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों यानि अप्रैल-सितम्बर के दौरान गारमेण्ट निर्यात अधिक होने के कारण इस मद का कुल निर्यात गत वर्ष की तुलना में कुछ अधिक ही बना हुआ है।

### पहली छमाही में घटा निर्यात

जानकारों का कहना है कि यदि अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद का कोई हल नहीं निकला तो आगामी महीनों में भी भारत से टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में गिरावट का दौर बना रह सकता है। विगत दिनों सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सितम्बर में देश से टेक्सटाइल के निर्यात में 10.45 प्रतिशत की भारी गिरावट आई और 1,624.06 मिलियन डॉलर रह गया। गत वर्ष इसी माह में निर्यात 1,813.63 मिलियन डॉलर था। इसी प्रकार गारमेण्ट निर्यात भी 10.14 प्रतिशत गिरकर 997.54 मिलियन डॉलर रह गया। सितम्बर के दौरान टेक्सटाइल और गारमेण्ट का कुल निर्यात 2,621.60 बिलियन डॉलर रहा, जो गत वर्ष की इसी अवधि के निर्यात 2,923.78 मिलियन डॉलर की तुलना में 10.34 प्रतिशत कम है। सितम्बर के दौरान टेक्सटाइल के कॉटन यार्न, मेड-अप्स, हैंडलूम उत्पाद, मैनमेड यार्न, फैब्रिक और मेड-अप्स, जूट उत्पाद, हैंडीक्राफ्ट में गिरावट रहीं।

बहरहाल पूर्व के महीनों में निर्यात में शानदार वृद्धि के कारण कुल मिलाकर अप्रैल-सितम्बर के दौरान टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में मामूली वृद्धि दर्ज की गई और 0.39 प्रतिशत बढ़कर 17,735.56 मिलियन डॉलर का हुआ। इसी अवधि में टेक्सटाइल के निर्यात में 1.85 प्रतिशत की कमी आई और 9,972.37 बिलियन डॉलर रह गया जबकि गारमेण्ट निर्यात 3.42 प्रतिशत बढ़कर 7,763.19 मिलियन डॉलर हो गया। साथ ही देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल और गारमेण्ट का योगदान 8.27 प्रतिशत से घटकर 8.06 प्रतिशत रह गया। जानकारों का कहना है कि देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट के निर्यात का एक बड़ा भाग अमेरिका, यूरोपीय समुदाय आदि को निर्यात किया जाता है। इनका कहना है कि हाल ही में कुछ देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों का असर अभी टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात पर आने में कुछ समय लगेगा। इनका कहना है कि निर्यातक नए बाजार ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं तथा अनुमान है कि आगामी महीनों में टेक्सटाइल और गारमेण्ट के निर्यात में गिरावट की दर में कुछ कमी आने लगी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद सरकारी सहायता और निर्यातकों के प्रयासों से सितम्बर के दौरान देश से कुल निर्यात में गत वर्ष की तुलना में 6.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

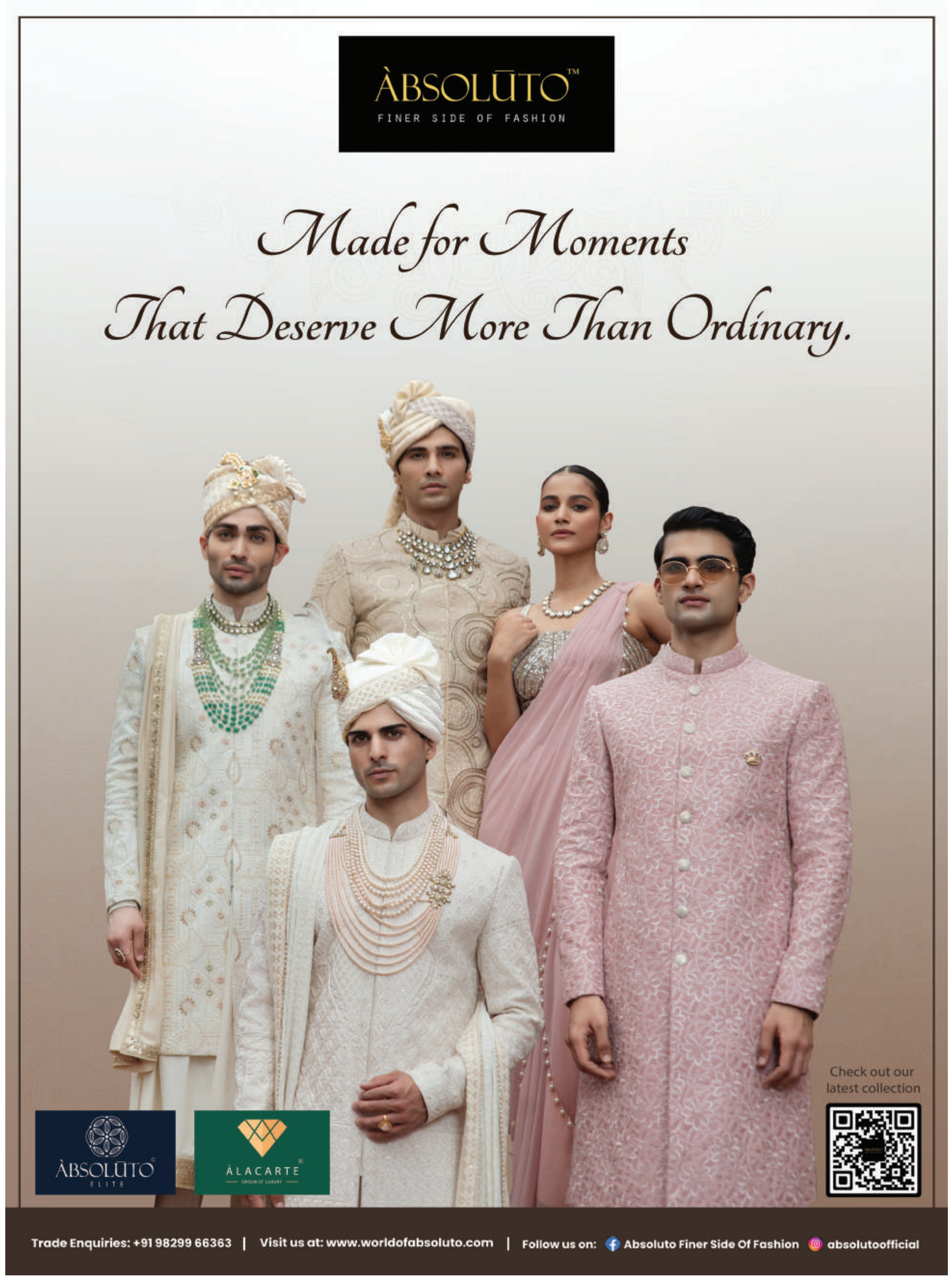

**राजस्व में लगातार वृद्धि का अनुमान**

# जीएसटी बदलाव से संगठित गारमेण्ट उद्योग को लाभ की संभावना

**नई दिल्ली/ राजेश शर्मा**

हालांकि देश का गारमेण्ट उद्योग जीएसटी की दरों में बदलाव से खुश नहीं है और 5 प्रतिशत की टेक्स दर को 2,500 रूपए से अधिक मूल्य वाले गारमेण्ट के लिए भी लागू करने का अनुरोध कर रहा है, लेकिन एक रेटिंग एजेंसी का कहना है कि इससे देश के संगठित क्षेत्र के गारमेण्ट निर्माताओं को लाभ होगा और उनके राजस्व में लगातार दूसरे वर्ष 13-14 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने जीएसटी 2.0 में 2,500 रूपए तक के परिधानों के लिए जीएसटी दर 5 प्रतिशत कर दी है। इससे पूर्व टेक्स की यह दर 1,000 रूपए तक के परिधानों के लिए ही थी, जबकि 1,000 रूपए से 2,500 रूपए के बीच वाले गारमेण्ट के लिए 12 प्रतिशत थी। बहरहाल अब 2,500 रूपए मूल्य वाले गारमेण्ट के लिए जीएसटी की दर 5 प्रतिशत और इससे ऊपर के मूल्य वाले गारमेण्ट पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत लगेगी, जो अब तक 12 प्रतिशत थी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का कहना है कि 2,500 रूपए मूल्य तक के परिधानों पर टेक्स की दर घटाकर 5 प्रतिशत करने से इस सेगमेंट की मांग में वृद्धि होगी। इससे अधिक मूल्य के परिधानों या प्रीमियम सेंगमेंट पर जीएसटी की दर बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने से वैवाहिक अवसरों पर पहनने वाले वस्त्रों, वूलन, हैंडलूम और एम्ब्रॉयडरी वाले परिधानों पर दबाव पड़ेगा।

रिपोर्ट के अनुसार संगठित क्षेत्र के कुल कारोबार में प्रीमियम सेगमेंट की हिस्सेदारी लगभग 35 प्रतिशत है। क्रिसिल के वरिष्ठ निदेशक श्री अनुज सेठी का कहना है कि मिड-प्रीमियम या फास्ट फैशन वाली सेगमेंट यानि 5 प्रतिशत की दर 2,500 रूपए मूल्य तक के लिए किए जाने से मूल्य प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, क्योंकि इस सेगमेंट का उपभोक्ता कीमत के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। श्री सेठी का कहना है कि टेक्स की दर कम की गई है, जब त्योहारी और वैवाहिक सीजन की मांग पीक पर होती है। इससे इस सेगमेंट के परिधानों की बिक्री में भारी वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार गत 6 तिमाही से त्योहारों के अवसर और गारमेण्ट निर्माताओं द्वारा बिक्री बढ़ाने के लिए लम्बे समय से दिए जा रहे डिस्काउंट के बावजूद कारोबार में कोई खास वृद्धि नहीं हो पा रही थी। जानकारों का कहना है कि जीएसटी की दरों में परिवर्तन का असर 2,500 रूपए से 3,500 रूपए तक के मूल्य की गारमेण्ट सेगमेंट में स्पष्ट नजर आने की संभावना है।

क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार ऊँची कीमत की गारमेण्ट में जीएसटी की वृद्धि दर के असर की भरपाई को संगठित क्षेत्र के गारमेण्ट निर्माता सरकार द्वारा सिंथेटिक फाइबर और यार्न आदि की दरों में की गई कमी से पूरा कर सकते हैं, क्योंकि अब उनकी लागत कम होगी। जहाँ इस समय कॉटन के भाव नीचे हैं, वहीं सरकार ने सिंथेटिक फाइबर और यार्न पर जीएसटी की दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी है जबकि पहले यह दर 18 और 12 प्रतिशत थी। जीएसटी की दरों में परिवर्तन के बाद मध्यम वर्ग की बढ़ती आय, शहरीकरण, फैशन वाले वाले गारमेण्ट की ओर बढ़ती दिलचस्पी आदि के कारण गारमेण्ट सेक्टर के कारोबार में सुधार होगा। रिपोर्ट का कहना है कि जीएसटी में किए गए सुधारों के बाद घरेलु मांग में वृद्धि के कारण संगठित क्षेत्र के गारमेण्ट निर्माताओं के राजस्व चालू वित्त वर्ष के दौरान 200 अंकों तक वृद्धि की संभावना है। यही नहीं इससे लगातार दूसरे वर्ष इस सेक्टर के राजस्व में वृद्धि बने रहने का अनुमान है।

# 'पीएम मित्र पार्क' में करोड़ों का निवेश
## एक लाख से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

**लखनऊ**

उत्तर प्रदेश को 'भारत का टेक्सटाइल हब' बनाने की दिशा में पीएम मित्र पार्क गेमचेंजर साबित होने जा रहा है। लखनऊ और हरदोई जिले में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क में अब तक पांच हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। आदित्य बिरला ग्रुप, अजूल डेनिम कार्ट और टीटीएल जैसी कम्पनियां निवेश के लिए आ रही हैं। हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग की ओर से अब तक करीब 100 औद्योगिक इकाइयों के साथ एमओयू साइन किए जा चुके हैं। इनमें देश-विदेश की कई बड़ी कम्पनियां शामिल हैं, जो उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल उद्योग का नया केंद्र बनाने की दिशा में काम करेंगी। आदित्य बिरला ग्रुप ने 30 एकड़ भूमि में स्पिनिंग और वीविंग यूनिट स्थापित करने की इच्छा जताई है।

वहीं, जीईएसएल स्पिनर्स 20 एकड़ में टेक्निकल टेक्सटाइल यार्न यूनिट लगाने की योजना बना रहा है। इसके अलावा अजूल डेनिमकार्ट 15 एकड़ में डेनिम फैब्रिक यूनिट, एसएवीएम इंक डी 25 एकड़ में गारमेण्ट मैन्युफेक्चरिंग, जियोसिस इंडिया 25 एकड़ में जियोग्रिड टेक्निकल टेक्सटाइल्स और टीटी लिमिटेड 5 एकड़ में गारमेण्ट यूनिट लगाने जा रही हैं।

आरजीआई मेडिटेक 2.5 एकड़ में सैनिटरी नैपकिन्स और डायपर्स यूनिट, वीडी ग्रुप 10 एकड़ में पॉली पोपलीन फैब्रिक यूनिट, माराल ओवरसीज 5 एकड़ में गारमेण्ट मैन्युफेक्चरिंग और ओखला गारमेण्ट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर 125 एकड़ में गारमेण्ट मैन्युफेक्चरिंग हब स्थापित करेगी।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना कुल 1000 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है, जिसमें लखनऊ जनपद की 730 एकड़ भूमि और हरदोई जनपद की 270 एकड़ भूमि शामिल है। पार्क के निर्माण के बाद 10 हजार करोड़ रूपये से अधिक निवेश आने की संभावना है, जिससे एक लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए 'पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेड' नाम से एक एसपीवी का गठन किया गया है। इसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की और 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी।

### निवेशकों में उत्साह

कनेक्टिविटी ने निवेशकों का ध्यान सबसे ज्यादा खींचा है। लखनऊ एयरपोर्ट से इसकी दूरी 45 किलोमीटर और लखनऊ जंक्शन से 40 किलोमीटर है, वहीं, नेशनल हाईवे केवल 15 किलोमीटर और आउटर रिंग रोड 20 किलोमीटर की दूरी पर है।

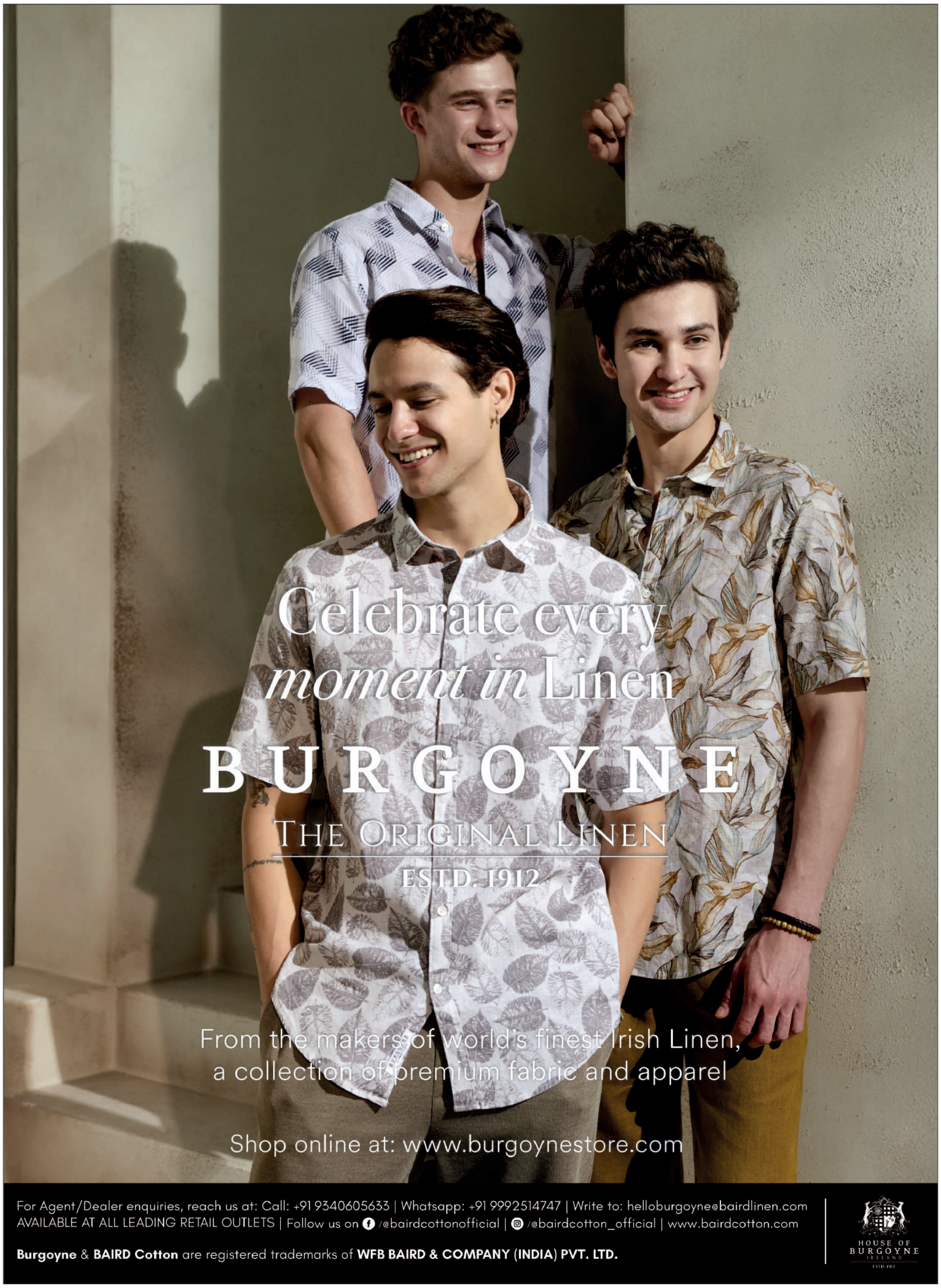


## Benny Cotts ब्राण्ड की मार्केट में धूम

श्रीराम सिंथेटिक्स प्रा. लि. Benny Cotts की सूटिंग फैब्रिक्स में डिमाण्ड बढ़ी। कम्पनी के एमडी श्री बेनीगोपाल झँवर ने बताया कि कम्पनी के उत्पाद की अच्छी गुणवत्ता के कारण यूपी, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश में कम्पनी के ब्राण्ड के कपड़े की डिमाण्ड बढ़ी। कम्पनी के सेल्स मैनेजर श्री सतीश नेहरिया ने बताया कि आगामी सीजन में कम्पनी की क्वालिटी - बटर फील, xuv upper class, डोबी लाइक्रा की अच्छी डिमाण्ड रहने की संभावना है।

# वीविंग सेक्टर की मांग नहीं बढ़ने से कॉटन यार्न पर दबाव

**मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय**

वीविंग सेक्टर में यार्न की मांग कमजोर रहने और हाजिर में यार्न की सप्लाई अच्छी रहने से यार्न में अपेक्षित सुधार नहीं है। हाजिर बाजार में कॉटन यार्न सहित पॉलिएस्टर, विस्कोस इत्यादि वैरायटी की मांग स्थिर है। पॉलिएस्टर फाइबर के कच्चे माल पीटीए एवं एमईजी पर जीएसटी की दर 12 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है। इन बढ़ी दरों का असर रिलायंस और इंडोरामा जैसी दिग्गज मिलों को हो सकता है। देश में एमईजी की कीमत वैश्विक भाव की तुलना में कुछ अधिक रही हैं। देश में एमईजी की कुल मांग 31 लाख मैट्रिक टन है, जिसके सामने इसका उत्पादन 12 लाख मैट्रिक टन है, इसलिए कच्चे माल का आयात विदेशों से किया जाता है। पॉलिएस्टर हो अथवा कॉटन यार्न यदि इनके कच्चे माल की उपलब्धता और मूल्य उचित स्तर पर सुनिश्चित किए जाए, तो अंतिम उत्पाद के मूल्य में अधिक उतार-चढ़ाव होने की संभावना भी उतनी ही कम हो जाती है। जहाँ तक कॉटन यार्न का सवाल है, इसके कच्चे माल रूई की कीमतें एवं उपलब्धि दोनों सहज है। इसलिए स्पिनिंग मिलों में यार्न का उत्पादन निर्धारित क्षमता पर हो रहा हैं। यार्न की आपूर्ति लाइन सहज होने से वीवर्स की यार्न खरीदी जरूरत के हिसाब से हो रही है। सूत्रों का कहना है कि कॉटन एवं सिंथेटिक यार्न की कुछ गिनी-चुनी वैरायटी को छोड़कर यार्न की मांग बाजार में एक जैसी है। कॉटन यार्न में सुधार की उम्मीद कम लग रही है, क्योंकि वीविंग सेक्टर में कपड़ों का उत्पादन नही बढ़ रहा है। यार्न की खपत जितनी होनी चाहिए उतनी नहीं है। वीवर्स अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सीमित प्रमाण में यार्न की खरीदी करना चाहते हैं। मिलों के पास कच्चे माल का भरपूर स्टॉक है। मिलों को कम भाव पर रूई आसानी से यार्न उत्पादन की लागत नियंत्रण में बनी हुई है। दिसम्बर तक रूई का आयात शुल्क होने से देश में आयात पिछले वर्ष से अधिक होने का अनुमान है। इसलिए मिलों को यार्न उत्पादन के लिए कच्चा माल महंगा होने की उम्मीद नही हैं।

**गारमेण्ट बाजार में सूत की चलनी**

# पर्यावरणपूरक कपड़ों की ओर रूझान

**कोल्हापुर/ राहुल खाड़े**

दिवाली और नए कपड़े की बाजार में खरीददारी लगभग चल रही है। सिर्फ पारंपरिक कपड़ों का साज नहीं, बल्कि नए प्रकार के फाइबर की चलन है। साथ ही आरोग्यदायी और पर्यावरणपूरक धागों का ट्रेंड बाजार में बढ़ता दिखाई दे रहा है। ब्राण्ड के लिए जागरूक होने वाले ग्राहक कपड़े की गुणवत्ता और नए प्रयोग करने की ओर ध्यान देते हैं। पुरूषों के फॉर्मल वियर में प्रीमियम कॉटन की मांग बढ़ रही है। इजिप्त से आने वाला और लंबे धागे के लिए पहचाने जाने वाला गीजा कॉटन अब प्रीमियम शर्ट्स चर्चा में है। इसकी रेशमी चमक की ओर ग्राहक आकर्षित हो रहा है।

कॉटन किंग ने नया गीजा कलेक्शन बाजार में लाया है और कैंब्रिज जैसे ब्राण्ड बांबू कलेक्शन बाजार में लाया है। पर्यावरण के चलते जागरूक होने वाली युवा पीढ़ी में बांबू फाइबर और लिनन जैसे पर्यावरणपूरक कपड़े की मांग बढ़ रही है। बाजार की बदलती मांग को पूरा करने के लिए कई स्थानीय उत्पादक अब इझी केअर फिनिशिंग और क्रिज फ्री तंत्रज्ञान पर ध्यान दे रहे हैं। इसकी विशेषता है कि ऐसे कपड़े को बार-बार इस्त्री करने की जरूरत नहीं और वह खराब भी नही होगा।

गीजा कॉटन या उच्च दर्जा का लिनन इसी मांग से बाजार में आए हैं। अब ग्राहक सिर्फ शर्ट की कीमत नहीं पूछते, बल्कि कितना मुलायम है ऐसा पूछते है। फैशन में फ्यूजन वियर की लाट है, लेकिन ड्रेस मटीरियल और साड़ियों में पारंपरिक कॉटन सिल्क का बड़ा हिस्सा है।

पृष्ठ 1 का शेषांश

**हैवी क्वालिटी पेंट-शर्ट...** लोगों के हाथ में वेतन के साथ दीपावली बोनस आ जाने से गारमेण्ट की ऑफलाइन खुदरा में भी ब्रिकी काफी अच्छी है, लेकिन ऑनलाइन चैनलों पर बड़े ब्राण्डों के फैशन आयटमों का कारोबार बढ़ाने में Amazon, Myntra इत्यादि की बड़ी भूमिका के साथ ऑफलाइन स्टोरों के लिए तगड़ी प्रतिस्पर्धा भी है। त्योहारों एवं ऐसे अनेक अवसरों के लिए अनुकूल भव्य ट्रेंडी वस्त्रों सहित स्टेटमेंट एसेसरीज शामिल है। दिवाली के बाद त्योहारी ग्राहकी के साथ वैवाहिक सीजन में गारमेण्ट और कपड़ों की मांग निकलेगी, जिसमें सीजन के हिसाब से फैशनेबल शर्टिंग की बिक्री अच्छी होने की संभावना है।

# अपनी सिंगिंग का जलवा बिखेर चुकी ट्रेंडिंग स्टार सिंगर फैशन ब्राण्ड एम्बेसडर बनने की राह पर

मुम्बई/ आर बी सिंह

महानगर के वसई उपनगर में रहने वाली सिंगर नंदिनी तिवारी के गायन का जादू श्रोताओं के सर चढ़कर इस तरह खुमार हो रहा है कि मुम्बई या उसके उपनगरीय इलाकों में रहने वाले कोई भी गायन भजन के रसिक जन अपने घर पर कोई भी मांगलिक कार्योत्सव गृह प्रवेश, जन्मदिन समारोह, माताजी का जागरण या कथा, पूजा-पाठ के उपलक्ष्य में कोई भी सांस्कृतिक कार्यक्रम कराना चाहते हैं तो उसमें नंदिनी तिवारी के दिव्यांशी म्यूजिकल ग्रुप को आमंत्रित करना नहीं भूलते जिनके सुर ताल और वाद्य म्यूजिक के झंकारों पर आयोजक या उनके संबंधी और पड़ोसी ठुमको की झडी के साथ थिरकते रहने पर मजबूर हो जाते हैं।

गौरतलब है कि बाबा काशी विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी देवी की पावन नगरी उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले से ताल्लुक रखने वाली दिव्यांशी म्यूजिकल ग्रुप की प्रोपराइटर और स्वर कोकिला नंदिनी तिवारी का फिलहाल आलम यह है कि वो आये दिन कहीं न कहीं मुम्बई और उसके उपनगरीय इलाकों में शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक हर रोज व्यस्त रहती है, जिसमें एक तरफ मातारानी के जागरण के गायन कार्यक्रम में लहंगा चुनरी के पहनावे को अधिक तवज्जो देती है, तो वहीं दूसरी तरफ जन्मदिवस से संबंधित गायन कार्यक्रम आदि में साड़ी, क्रोपटॉप, कुर्ती आदि पहनावे को नजरंदाज नहीं करती।

बता दें कि वे कुछ रोज पहले गोरखपुर और बैंगलुरू में भी अपनी सिंगिंग का जलवा बिखेर चुकी है, जिन सबके बावजूद वो मुम्बई और उसके उपनगरीय इलाकों में कार्यक्रमों को अधिक प्राथमिकता देती है, जिसमें दिव्यांशी म्यूजिकल ग्रुप के सभी सदस्यगणों को शामिल होने का मौका मिलता है। जिनकी बदौलत यह स्टार गायिका दिनोंदिन बुलंदियों की तरफ अग्रसर है। कामयाबी के विषय में पूछने पर यह सिंगर ने बताया कि यह सब हर-हर महादेव भगवान शिव और विंध्यवासिनी देवी की कृपा का परिणाम है। साथ ही हमारे पतिदेव का सहयोग और हमारी बिटिया की महत्त्वाकांक्षा का नतीजा है कि किसी भी गायन भजन समारोह में हमारे गाने सुनकर और हमारी म्यूजिक सेवाओं से श्रोताजन मंत्रमुग्ध और भाव विभोर हो जाते हैं, जिस कारण अधिकांश आयोजनों में मुझे ही आमंत्रित किया जाता है।

फिलहाल उनकी आगामी योजनाओं में उनके सभी टीम सदस्यजनों का एक ही किसी खास तरह के यूनिफॉर्म या ड्रेसों के पहनावे या लिबास की योजनाएं जेहन में बार-बार आ रही है। जिस पर आपसी सहमति बन जाने के बाद यथाशीघ्र ही इस विचार को अमलीजामा पहनाया जा सकता है, जिसके लिए टेक्सटाइल इंडस्ट्री से सम्पर्क करने वाली ब्राण्डेड कम्पनियों से बातचीत की प्रकियाएं जारी है।

# वस्त्रोद्योग में नवाचार और टिकाऊपन का संगम

**नई दिल्ली/** भारत का वस्त्र उद्योग अब सिर्फ कपड़े बनाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नवाचार और स्थायित्व की दिशा में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। पर्यावरण-अनुकूल कपड़े, डिजिटल तकनीक और रिसाइक्लिंग जैसे उपाय अब फैशन के साथ-साथ धरती को भी राहत दे रहे हैं। वस्त्र जगत अब नई तकनीक और हरित सोच के संग भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है।

वस्त्र उद्योग अब पुराने तरीकों से आगे बढ़कर स्मार्ट टेक्सटाइल्स और टिकाऊ उत्पादन तकनीकों को अपना रहा है। आज कम्पनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 3डी प्रिंटिंग और बायोफैब्रिकेशन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल कर रही हैं, जिससे कपड़े न सिर्फ बेहतर बल्कि पर्यावरण के अनुकूल बन रहे हैं। डिजिटल डाईंग और वाटरलेस प्रोसेसिंग जैसी तकनीकें अब कपड़ा निर्माण में पानी और रसायनों की खपत को कम कर रही हैं। फैशन जगत पर पर्यावरणीय दबाव बढ़ने के बाद ब्राण्ड अब सस्टेनेबल फैब्रिक पर जोर दे रहे हैं। रिसाइकल्ड पॉलिएस्टर, ऑर्गेनिक कॉटन और बाँस या जूट जैसे प्राकृतिक रेशे अब नई पसंद बन रहे हैं। इसके अलावा कई कम्पनियां 'सर्क्युलर फैशन' मॉडल अपना रही हैं, जिसमें पुराने कपड़ों को रिसाइक्लिंग करके नए वस्त्र बनाए जाते हैं। यह कदम न सिर्फ पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि उपभोक्ताओं को भी जिम्मेदार खरीददारी की प्रेरणा देता है।

## भूमिका और भविष्य

भारत दुनिया के सबसे बड़े वस्त्र उत्पादक देशों में से एक है और यहाँ टिकाऊ वस्त्रों की ओर तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। सरकार 'मेक इन इंडिया' और 'टेक्सटाइल पार्क' जैसी योजनाओं के जरिए हरित उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। निर्यात के क्षेत्र में भी सस्टेनेबल फैब्रिक की मांग बढ़ रही है, जिससे भारत को नए बाजारों में बड़ी संभावना मिल रही है। आगामी समय में भारतीय वस्त्र उद्योग न सिर्फ आर्थिक दृष्टि से, बल्कि पर्यावरणीय रूप से भी विश्व मंच पर अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। वस्त्र उद्योग का भविष्य अब नवाचार, स्थायित्व और तकनीक की नई बुनाई से जुड़ा है। यह परिवर्तन केवल फैशन की दिशा नहीं बदल रहा, बल्कि धरती के भविष्य को भी सुरक्षित बना रहा है।

# केसरिया टेक्सटाइल कम्पनी ने झुंझुनू से शुरू किया रिटेल विस्तार का नया सफर

सूरत/झुंझुनू/ राजस्थान के ऐतिहासिक शहर झुंझुनू ने वस्त्र व्यापार के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा, जब देश की प्रतिष्ठित कम्पनी 'केसरिया टेक्सटाइल' ने अपने पहले रिटेल स्टोर 'केसरिया बाजार' का शुभारम्भ अत्यंत भव्यता और पारंपरिक उत्सव माहौल के साथ किया। यह शुभ अवसर झुंझुनू के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र में आयोजित हुआ, जहाँ शहर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, समाजसेवियों, फैशन प्रेमियों और ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कम्पनी के संस्थापक एवं निदेशक श्री रितेश मोदी रहे, जिन्होंने पारंपरिक दीप प्रज्वलन कर स्टोर का उद्घाटन किया। पूरे परिसर को आकर्षक पुष्प सजावट और रंगीन लाइटिंग से सजाया गया था। उद्घाटन के साथ ही वातावरण में उत्साह, संगीत और खुशियों की गूंज फैल गई। हर ओर ग्राहकों की उमंग और वस्त्रों की विविधता ने इस कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

## गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक

इस अवसर पर श्री रितेश मोदी ने कहा 'केसरिया टेक्सटाइल ने सदैव गुणवत्ता, परंपरा और विश्वास को अपनी पहचान बनाया है। हमारा उद्देश्य है कि केसरिया के वस्त्र अब केवल थोक बाजार तक सीमित न रहें, बल्कि सीधे हर परिवार तक पहुँचें। झुंझुनू से शुरूआत करना हमारे लिए गर्व का विषय है, क्योंकि यह शहर मेहनत, परंपरा और संस्कृति की पहचान है और यही मूल्य हमारे ब्राण्ड की आत्मा हैं।'

## आधुनिकता और परंपरा का संगम

'केसरिया टेक्सटाइल' का यह नया स्टोर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के लिए वस्त्रों की आकर्षक और विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत करता है, जिसमें शामिल हैं -प्रीमियम साड़ियाँ, मनमोहक सूट और कुर्तियाँ, स्टाइलिश मेन्स वियर और ट्रेंडी किड्स वियर कलेक्शन। हर वस्त्र में केसरिया की पहचान स्पष्ट झलकती है - उत्कृष्ट कपड़ा, बारीक डिजाइन और आधुनिक फैशन का समन्वय। स्टोर का इंटीरियर डिजाइन भी ग्राहकों को नई खरीददारी का अनुभव प्रदान करता है - आधुनिक डिस्प्ले, सॉफ्ट लाइटिंग और आरामदायक माहौल के साथ।

## विस्तार की दिशा में नया कदम

कम्पनी की टीम ने बताया कि आने वाले समय में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र सहित देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी 'केसरिया टेक्सटाइल' अपने रिटेल स्टोर खोलने की योजना बना रही है। कम्पनी के तीन मुख्य स्तंभ- ग्राहक संतुष्टि, उचित मूल्य और उच्च गुणवत्ता भविष्य के विस्तार का आधार होंगे।

## भरोसे का नाम केसरिया

झुंझुनू में 'केसरिया टेक्सटाइल' के पहले रिटेल स्टोर का शुभारंभ न केवल कम्पनी के लिए एक नई शुरूआत है, बल्कि वस्त्र उद्योग के लिए भी यह संकेत है कि भारतीय ब्राण्ड्स अब 'थोक से रिटेल' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह स्टोर इस बात का प्रमाण है कि 'केसरिया टेक्सटाइल' सिर्फ एक ब्राण्ड नहीं, बल्कि एक भरोसा है, हर उस परिवार के लिए जो अपने वस्त्रों में गुणवत्ता, परंपरा और आधुनिकता का संगम तलाशता है।

Simone Federico & Figli began its journey in 1876 from the picturesque town of Biella, nestled in the heart of Italy.

NOW IN INDIA AVAILABLE IN A STORE NEAR YOU

SIMONE FEDERICO & FIGLI
5th Floor, Gopal Bhawan, 199 Princess Street, Mumbai - 400 002 (MH) India; Tel.: +91 22 6633 6571 - 75
Customer Care: +91 22 6633 6576 | info@simonefederico.com | www.simonefederico.com

OUR ASSOCIATES:

**FABCOTT INDIA CLOTHING LLP, DELHI:** DELHI / PUNJAB / HARYANA / UTTAR PRADESH 9999831777 | **MANISH TRADING CO., AHMEDABAD:** GUJARAT / MADHYA PRADESH 9429004140 | **R.P. ENTERPRISES, MUMBAI:** MAHARASHTRA 9819081444 | **VINAYAKA TRADING CO., JAIPUR:** RAJASTHAN 9602340000 | **SHA HIRACHAND JAWANMAL & CO., BANGALORE:** KARNATAKA 9886290009 | **SHIVAM FABRICS PVT. LTD., HYDERABAD:** TELANGANA / ANDHRA PRADESH 9885444440 | **COTTON HOUSE, CHENNAI:** TAMILNADU 9884247460 | **HEMA INC, BANGALORE:** KERALA 9448575111

## सम्पादकीय....

# भगवान भरोसे है देश बसों में आग की घटना से सुरक्षा पर सवाल

**अपने** देश में सार्वजनिक परिवहन कितना अधिक जोखिम भरा है, इसका प्रमाण है दस दिनों के अंदर दो एसी बसों में आग लगने से 45 से अधिक यात्रियों की मौत हो चुकी है। पहली दुर्घटना में 14 अक्टूबर को जैसलमेर से जोधपुर जा रही एसी बस में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से 26 यात्री मारे गए। इस भयावह दुर्घटना की जाँच में पता चला कि बस की बनावट में कई नियमों का उल्लंघन किया गया था। वहीं दूसरी घटना गत दिनों आंध्रप्रदेश में हुई। यहाँ हैदराबाद से बैंगलुरू जा रही एसी बस में आग लगने से 20 बस यात्री मारे गए। इस दुर्घटना का कारण यह बताया जा रहा है कि बस के नीचे एक मोटर साइकिल आ गई, इससे उसका फ्यूल टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हैरानी नहीं कि इस दुर्घटना के पीछे भी बस के रखरखाव में कमी और उसकी सही तरह सुरक्षा जाँच न किया जाना निकले।

दर्जनों लोगों के लिए काल बनीं दोनों एसी बसें निजी कम्पनियों की थीं। यह मानकर तो चला जा सकता है कि उनके संचालन की अनुमति देने के पहले उनकी फिटनेस जाँची गई होगी, लेकिन यह कहना कठिन है कि इसके नाम पर खानापूर्ति नहीं की गई होगी। इसके आसार भी कम हैं कि इसकी ढंग से पड़ताल की गई होगी कि उनमें सुरक्षा के उपयुक्त उपाय हैं या नहीं? यह किसी से छिपा नहीं कि अपने देश में बड़ी संख्या में निजी बजें खस्ताहाल होती हैं। कई बार तो उनके चालक भी अकुशल होते हैं। एसी बसों के आपातकालीन द्वार तो इस हाल में होते हैं कि उन्हें मुश्किल से ही खोला जा सकता है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि दोनों बस दुर्घटनाओं में यात्रियों के मारे जाने पर शीर्ष स्तर के नेताओं ने संवेदना व्यक्त की और दुर्घटना के कारणों की जाँच के आदेश दिए गए, क्योंकि ऐसा हर बड़े हादसे के बाद किया जाता है और नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।

अभी तक का अनुभव यही बताता है कि भीषण से भीषण बस दुर्घटनाओं से भी कोई सबक नहीं सीखा जाता। ऐसा इसलिए है, क्योंकि सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन किसी की प्राथमिकता में है ही नहीं। इसी कारण आए दिन सार्वजनिक परिवहन के सरकारी या फिर निजी साधन दुर्घटनाग्रस्त होते रहते हैं। प्रायः इन दुर्घटनाओं में हुई जनहानि को विधि का विधान मान लिया जाता है और अफसोस जताकर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। यह और कुछ नहीं, चलता है वाला रवैया है। इस रवैये के कारण ही सार्वजनिक सुरक्षा के हर पहलू की उपेक्षा होती है। सार्वजनिक और खासकर सड़क सुरक्षा में सतर्कता की कमी से होने वाले हादसे अनगिनत लोगों की जान ही नहीं लेते, बल्कि देश की बदनामी भी कराते हैं। वे यह भी बताते हैं कि विकसित बनने के आकांक्षी देश में किस तरह सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे हैं।

## कुछ नया, कुछ अलग •

# जितना तुम दूसरों के साथ बाँटोगे, ईश्वर उससे भी अधिक तुम्हें लौटाएगा

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

नमस्ते मित्रों,

सिखों के सबसे पवित्र धर्मस्थल, अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में सदियों से हर दिन लगभग 50,000 से 1 लाख लोगों को मुफ्त भोजन परोसा जाता है जिसे लंगर कहते है। यह लंगर सप्ताह के सातों दिन और चौबीस घंटे चलता है। सोचिए, इतनी बड़ी मात्रा में अनाज, सब्जी, दूध, सिलेंडर, बर्तन, सफाई इन सब का इंतजाम हर रोज कैसे संभव हो पाता होगा?

इसका जवाब है, दूसरों से बाँटने की भावना। लोग दिल खोलकर दान करते हैं। कोई गेहूँ लाता है तो कोई दूध लाता है। कोई पैसे देता है तो कोई अपने हाथों से खाना बनाता है। कोई बर्तन धोता है तो कोई सफाई करता है और चमत्कार यह है कि आज तक लंगर में खाने की कभी कोई कमी नहीं हुई। इसी तरह की राम रसोई का आयोजन गुजरात के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भी किया जाता है। इस तरह की योजना इसलिए संभव हो पाती हैं, क्योंकि यहाँ सबके दिलों में दूसरों के साथ बाँटने की भावना होती है। संसार का नियम है कि आप जितना दूसरों के साथ बाँटोगे, उससे भी अधिक आपके पास बढ़ेगा। चाहे धन हो, अन्न हो, प्रेम हो, ज्ञान हो या सम्मान। अतः बाँटने से यह घटता नहीं है, बल्कि और अधिक बढ़ता हैं। जब आप दूसरों को देने की भावना रखते हैं, तो भगवान भी आपको और अधिक देता है। जब आप किसी भूखे को खाना खिलाते हैं या किसी जरूरतमंद की मदद करते हैं, तो आपके जीवन में भी बरकत आती है। हो सकता है कि इसका परिणाम आपको तुरंत न दिखे, लेकिन भगवान आपको कभी न कभी, किसी न किसी रूप में उसका फल जरूर देता है।

दोस्तों, प्रकाश के इस पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर आप भी एक ऐसा दीप जलाएँ जो किसी जरूरतमंद के जीवन में प्रेम और खुशियाँ लेकर आए। किसी गरीब बच्चे को मिठाइयाँ और पटाखे बाँटें। किसी बुजुर्ग व्यक्ति या अस्पताल में भर्ती किसी मरीज से कुछ पल मीठी बातें करके उनके साथ समय बिताएँ। किसी असहाय परिवार को कपड़े या राशन देकर उनकी दिवाली को खास बनाएं। अपने सफाई कर्मचारी, सिक्योरिटी गार्ड, पोस्टमैन को दिवाली की बख्शीश देकर उनके जीवन में भी खुशियाँ लाएं। याद रखिए जब आप दूसरों की मुस्कान का कारण बनते हैं, तो वहीं मुस्कान किसी न किसी रूप में लौटकर आपके जीवन को भी उजास से भर देती है।

कुछ लोग यह सोचकर किसी की मदद करने से हिचकिचाते हैं कि अगर मैं किसी को कुछ दूंगा तो मेरे पास क्या बचेगा? लेकिन सच्चाई तो यह है कि देने से आज तक कोई गरीब नहीं हुआ। वृक्ष बिना कोई अपेक्षा के हमें प्राणवायु देता है, फिर भी वह कभी छोटा नहीं होता, बल्कि समय के साथ और भी विशाल बनता जाता है। मशहूर उद्योगपति रतन टाटा ने अपने जीवन में अपार दौलत कमाई और अंत में अपनी संपत्ति का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा 'टाटा ट्रस्ट्स' को समर्पित कर दिया, जो आज शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता जैसे अनेक सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत है। उनके परोपकारी स्वभाव ने लाखों जरूरतमंदों के जीवन में उजाला लाया, यहीं उनके लिए असली दौलत थी।

जो इंसान जीवन के हर मोड़ पर यह सोचता है कि मेरे पास देने को कुछ नहीं है, वह अपने ही अस्तित्व की सबसे बड़ी सच्चाई से अंजान है, क्योंकि ईश्वर ने हर इंसान को कुछ न कुछ खास दिया है। हो सकता है तुम्हारे पास बाँटने के लिए धन न हो, लेकिन तुम्हारी मुस्कान किसी टूटे हुए दिल को फिर से जोड़ सकती है। हो सकता है तुम्हारे पास बंगला या गाड़ी न हो, लेकिन तुम्हारे द्वारा बाँटा हुआ ज्ञान किसी के जीवन की दिशा बदल सकता है, क्योंकि कुछ देने के लिए जरूरी नही है कि तुम्हारे पास कुछ हो, बल्कि जरूरी यह है की तुम्हारे दिल में देने की भावना हो।

इस दीपावली के पावन अवसर पर, आइए हम भी किसी के जीवन में खुशियों का दीप जलाएँ। इसी उम्मीद के साथ कवि प्रदीप द्वारा पैगाम फिल्म के लिए लिखे गए गीत के शब्द उधार लेकर आज की बात को यहीं अल्पविराम देना चाहता हूँ।

आप सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

हर एक महल से कहो कि झोपड़ियों में दीये जलाएँ,
छोटों और बड़ों में अब कोई फ़र्क न रह जाए।
इस धरती पर हो प्यार का घर - घर उजियारा,
यही पैग़ाम हमारा, यही पैग़ाम हमारा।।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

# दीपावली कार्यक्रम का सफल संचालन

**बरेली/ राजीव अरोड़ा**

स्थानीय होलसेल कपड़ा कमेटी के तत्वावधान में दिनांक 19 अक्टूबर 2025 को संगम पैलेस हॉल में कार्यक्रम की शुरूआत आरती पूजन से बरेली होलसेल कपड़ा कमेटी के अध्यक्ष श्री अनुपम कपूर ने अपने भाषण में सभी आंगतुकों का स्वागत किया और कहा कि आगामी वर्षों में इसी प्रकार दीपावली कार्यक्रम मनाएगें। साथ ही बच्चों ने कविताएं सुनाई एवं नृत्य भी प्रस्तुत किया। संगम पैलेस में कपड़ा कमेटी के सदस्यों ने बहुत आनन्द का अनुभव किया और श्री मोहित कपूर (महामंत्री) ने कार्यक्रम में चार-चाँद लगा दिए। फैंसी ड्रेस कॉम्पीटिशन भी सम्पन्न हुआ एवं कई लक्की ड्रा निकालने के साथ सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष श्री अनुपम कपूर ने किया एवं अंत में सहयोंग श्री नरेश गड़ियाल, श्री राजीव अरोड़ा, श्री युधिष्ठिर मलिक, श्री सुनील मलिक, गुलशन जी, श्री दीपक खुराना, श्री प्रवीण जैन आदि का रहा।

# स्थानीय कपड़ा स्टोर में आग
## आग की वजह और नुकसान की जांच जारी

कोयंबटूर/ स्थानीय मण्डी में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। यह आग शहर की ओप्पानकारा स्ट्रीट पर स्थित 'श्री लक्ष्मी सिल्क' नामक दुकान में सुबह करीब 4:30 बजे लगी। दुकान के मालिक बाबू हैं। पड़ोस के कुछ सुरक्षा गार्डों ने आग की लपटें देखीं और तुरंत दुकान मालिक को सूचित किया। उन्होंने फौरन फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज को भी खबर दी। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से दुकान और उसमें रखा सामान बुरी तरह जल गया, हालांकि नुकसान का सही अंदाजा अभी नहीं लगाया जा सका है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज के जिला अधिकारी पी. पुलुगंडी ने बताया कि दुकान की दूसरी मंजिल पर एक कुकिंग यूनिट थी, जिससे आग लगने की आशंका है। उन्होंने कहा, 'आग लगने का सटीक कारण जांच के बाद ही पता चलेगा।' उन्होंने यह भी बताया कि दुकान में सामान को इस तरह से रखा गया था कि बचाव कार्य में दिक्कतें आईं। सामान के बीच पर्याप्त जगह न होने के कारण आग तेजी से फैली और नुकसान ज्यादा हुआ। उन्होंने समझाया कि अगर सामान के बीच चलने-फिरने की जगह होती तो आग बुझाने में आसानी होती।

जिला अधिकारी ने बताया कि हाल ही में इसी इलाके में ऐसी ही एक और आग लगने की घटना हुई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए दुकान मालिकों के साथ एक फायर सेफ्टी अवेयरनेस मीटिंग (आग से सुरक्षा जागरूकता बैठक) आयोजित करने की योजना है। इस बैठक में दुकानदारों को आग से बचाव के तरीके और सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

यह घटना व्यावसायिक स्थानों पर आग से सुरक्षा के महत्व को उजागर करती है। सामान को व्यवस्थित तरीके से रखने और आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने से बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई, लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सभी को सतर्क रहने की जरूरत है।

## YARN Rate
### यार्न रेट्स 20 अक्टूबर, 2025

**C.T.M.**
PH. 247511, 247512, 9829045130

| | |
|---|---|
| 2/30 NTBL | ..... |
| 2/18 Dyed | ..... |
| 2/40 Dyed | ..... |
| 2/30 Frosted | ..... |
| 2/30 Dyed Slub | ..... |
| 2/30 School Dress Clourer | ..... |

**R.T.M** Mob: 9829047404

| | |
|---|---|
| 2/30 Dyed Ntbl | ..... |
| 2/40 Dyed | ..... |
| 2/30 Frosted | ..... |
| 2/40 HT | ..... |

**SRM Spinners** Mob. 8078660873

| | |
|---|---|
| 2/18 PV Diamond | 170 |
| 2/18 PV Navy 85:15 | 182 |
| 2/18 PV Black 70:30 | 175 |
| 2/18 R Navy 70:30 | 197 |
| 1/15 Poly Black | 115 |
| 20 PV Black | 162 |
| 15 PV Black | 152 |
| 2/30 PV 65/35 Black | 170 |

**PANIPAT YARN- 9416031498**

| | |
|---|---|
| **TEXTURISE** | |
| 150 Roto Grey. | 105-147 |
| 150 Roto Black. | 106-146 |
| 150 Roto Bright. | 120-140 |
| 150/250 grey. | 110-169 |
| 150/250 dyed | 122-163 |
| 150 FDY. | 125 |
| **P.V. Yarn** | |
| 2/20 Grey CL | 133 |
| 2/40 POLY | 175 |
| 2/15 Poly Grey | 124 |
| 2/20 Poly CL | ----- |
| 20 Poly CL | 121 |
| **Cotton Yarn** | |
| 4 cone OE | 52-114 |
| 6 cone. OE | 58-158 |
| 10 cone OE | 81-114 |
| 2/4 cone OE | 86-160 |
| 2/6. OE | 97-170 |
| 2/8 OE | 100-180 |
| 2/10 OE. | 110-220 |
| 2/20 OE. | 218-306 |
| 2/30 RF. | 307-422 |
| 2/40 RF | 307-432 |
| **STAPLE YARN** | |
| 10 CONE | 205 |
| 15 CONE | 207 |
| 20 CONE | 210 |
| 2/15 CONE | 211 |
| 2/40 CONE | 266 |

**Raghav Group (94141-11402)**
Email: sheetal@raghavindia.com

**TRIDENT LIMITED**

| COUNT | RATE |
|---|---|
| 1/10 OE | ... |
| 1/14 OE | ... |
| 1/16 OE | ... |
| 1/20 OE | ... |
| 30 KW | ... |
| 30 CWC 2 | ... |
| 2/40 CW ELLY | ... |
| 40 CW COMPACT | ... |
| 50 CW COMPACT | ... |
| **SIDDHARTHA SUPER SPG MILLS** | |
| 2/15 P/V DYED OLIVE GREEN | ... |
| 2/18 P/V BLACK | ... |
| 2/30 P/V BLACK | ... |
| **LNJ DENIM** | |
| 6 OE | ... |
| 7 OE | ... |
| 10 OE | ... |
| 10 LYCRA | ... |
| 10 SLUB LYCRA | ... |

**VISAKA IND. LTD.**
PH. 93514-27900

| | |
|---|---|
| 2/20 Poly Grey@ | 54 |
| 2/24 Poly Grey@ | 160 |
| 2/30 Poly Grey@ | 165 |
| 2/40 Poly Grey@ | 192 |
| 2/60 Poly Grey@ | 253 |
| 2/76 Poly Grey@ | 311 |
| 2/30 PV Black @ | 214 |
| 2/40 PV Black @ | 254 |
| 2/30 PV HD Dyed @ | 241 |

**RATAN BARJATIYA SPINNERS**
Bhavit Jain: 9928913144
DIWALI MAHURAT PRICE LIST

| | |
|---|---|
| **PV Yarn (70:30)** | |
| 2/40 PV – | ₹203/kg |
| 2/30 PV – | ₹176/kg |
| 2/20 PV – | ₹165/kg |
| 2/18 PV – | ₹163/kg |
| 2/15 PV – | ₹160/kg |
| 1/30 PV – | ₹163/kg |
| 1/20 PV – | ₹154/kg |
| 1/15 PV – | ₹147/kg |
| 1/10 PV – | ₹144/kg |
| **100% Polyester Virgin Yarn** | |
| 2/40 – | ₹181/kg |
| 2/30 – | ₹156/kg |
| 2/20 – | ₹145/kg |
| 2/15 – | ₹138/kg |
| 1/20 – | ₹133/kg |
| 1/15 – | ₹127/kg |
| 1/10 – | ₹124/kg |
| 1/15 RC – | ₹115/kg |
| 2/15 RC _ | ₹ 125/kg |
| 2/40 VISCOSE TFO | 254 EX |

Recycled Yarn Singal & doubel
Recycled PV 70:30 & Recycled
Polyester – Available
Recycled Compact Yarn

| | |
|---|---|
| 15 Poly – | ₹120/kg |

MULTIFOLD COUNT & SWING
THRED SHT RT
ALL TYPE AVAILABLE
2/10,3/10,3/12, 3/15 2/50 SHT
Slub Yarn

| | |
|---|---|
| Magic 2/47 PSY – | ₹165/kg |
| Magic 2/47 PV – | ₹190/kg |
| 10 Slub – | ₹136/kg |
| 15 Slub – | ₹146/kg |

All type of Slub covering Yarn ready for high speed loom warp & weft use
Mill TFO

| | |
|---|---|
| 2/30 PSY Black – | ₹156/kg |
| 2/30 PV Black – | ₹196/ kg |

**GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.**
PH. 99358-27000

| | |
|---|---|
| **Ankur** | |
| 1/20 pv | NA |
| 1/15 pv | NA |
| 2/30 pv | NA |
| 1/30 pv | 170 |
| **Jaanvi** | |
| 1/15 psy | 125 |
| **Triveni** | |
| 2/40 pv | 218 |
| 2/30 pv | 186 |
| 1/20 pv | 158 |
| 1/15 pv | 152 |

**MODTEX TEXTURISERS**
PH. 246496, 98292-50430

| | |
|---|---|
| 150/400 Cone Dyed | 200+GST |
| 150 HIM Cone Dyed | -----+GST |
| 300 HIM Cone Dyed | -----+GST |

Cd : 3rs/kg

## दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

**ब्यावर/अनिल डोसी**

मार्केट में ग्राहकी की चहल-पहल शुरू हो गई है। सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है और गरम माल की बिक्री चालू हो चुकी है। शॉल, कम्बल, लोई स्वेटर इत्यादि की बिक्री जारी है। राजपूती ड्रेस का चलन ज्यादा ही बढ़ गया हैं। जोधपुर, कुचेरा, बीकानेर, बसनी से टोरा सिफोज कॉटन के औरना की मांग बनी हुई है। ग्रे मार्केट में तेजी बनी हुई है। ड्रेस मटीरियल, साड़ियां, सलवार सूट, रेडीमेड ब्लाउज, टेरी रूबिया, पोपलीन, सूटिंग-शर्टिंग अच्छी बिक रही है। पेमेन्ट की आवक ठीक है।

टेक्सटाइल वर्ल्ड समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क
9468835188

## श्रद्धांजलि

।।ॐ शांति ॐ।।

**स्व. श्रीमान रामस्वरूप जी चेचानी**
(स्वर्गवास: 15-10-2025)
प्रतिष्ठान- श्री गोविन्दम, हिन्द टेक्सटाइल,
मथुरा लाल & संस, मनोज चेचानी & कंपनी (CA)

श्रद्धावनत
योगेन्द्र शर्मा (संपादक)
एवं समस्त टेक्सटाइल वर्ल्ड परिवार, (भीलवाड़ा)

INDUSTRIAL & COMMERCIAL SPACE
FOR YOUR BUSINESS GROWTH
AVAILABLE – BHILWARA
LOCATIONS:
Bilaiya Ricco, 4th Phase, Bhilwara
Growth Center, Swarup Ganj, Bhilwara
SUITABLE FOR:
Stitching Plant
Grading Unit
Export House
Export House
Any Commercial Work
FACILITIES:
All Lease Clear
All NOC Clear
24/7 Power & Water Facility
FOR FURTHER INFORMATION, PLEASE CONTACT:
+91 9785400692 +91 9251040692

# संस्थान का कल्चर और विकास में स्थान

**श्री सुनील भटनागर**
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट
सम्पर्क-74258 13125

किसी भी संस्थान में कार्य के लिए 5 रू की जरूरत होती है। इसमें एक रू है मानव, जो बाकी 4 रू में बहुत ही जरूरी पार्ट निभाता है। आपने एक कहावत सुनी होगी, कि आप ''घोड़े को पानी के पास ले जा सकते है, मगर घोड़ा पानी पीएगा या नहीं, यह घोड़े की मर्जी है''

**Case 1**: कल जब मैने अपनी सोसाइटी में काम करने वाले सुपरवाइजर को दिवाली की बधाई दी, तो पता चला कि उसने सोसायटी में कंपनी द्वारा फ्लेट को इसलिए छोड़ा कि उसको ड्यूटी के बाद भी आराम नहीं था।

**Case 2**: ड्यूटी खत्म होने के समय, लोगों का अपने अधिकारी से बचना, कि कहीं छुट्टी के बाद काम के लिए रूकना न पड़ें।

**Case 3**: ट्रेड फेयर और एग्जीबिशन में कुछ गिने-चुने लोगों को भेजा जाना।

**Case 4**: संस्थान में आदमियों की कमी से मशीन चलाने के लिए हॉस्टल या संस्थान में रहने वाले क्वार्टर वाले लोगों को बुलाना।

**Case 5** : नाइट ड्यूटी में, स्टाफ ट्रेनिंग में कुछ ही लोगों का भाग लेना, ज्यादातर काम का बहाना बना कर अनुपस्थित रहना।

रूके और सोचे, क्या मेरी कार्य क्षेत्र में ऐसा तो नहीं हो रहा?

**अगर निम्नलिखित बिंदुओं में एक भी जगह 'हाँ' हैं, तो मेरा मानना है कि हम sick कल्चर की और बढ़ रहे हैं-**

- छुट्टी वाले दिन भी, काम पर बुलाना आम है।
- मशीन की निर्धारित सफाई टालना, आम है।
- बीमार होने के बावजूद ड्यूटी पर रखना।
- ओवरटाइम में एक ही प्रकार के लोगों को रोकना जैसे जो कंपनी के क्वार्टर में रहते है, जो रंगरूट/नए हो।
- अपने चहेतो को रेस्ट या छुट्टी पर भेजना।
- उत्पादन को बढ़ाने में कोई भी तरीका इस्तेमाल (गेज, स्पीड, कांउट, इत्यादि से छेड़छाड़)
- टीम में बुलीइंग करने वालों के खिलाफ एक्शन न लेना।
- छुट्टी वाले दिन ऑफिस से मोबाइल/फोन की घंटी और दिल की धड़कन बढ़ जाना।
- ज्यादातर कार्यो में अंतिम दिनों में ओवरटाइम या जरूरत से ज्यादा मैन पावर लगना।

Sick कल्चर में मेहनती तथा अच्छे कारीगरों का कंपनी से पलायन बढ़ जाता है। आंकड़ों में कर्मचारियों में बीमारी/दुर्घटना कारणों से छुट्टी देखी जाता है। मेंटेनेंस में मशीन ब्रेकडाउन ज्यादा और क्वालिटी कॉम्पलेंट्स का बढ़ना व ग्राहकों में असंतोष साफ नजर आता है।

फैक्ट्री चलाने वालों को आज मैन यानी मानव पर ज्यादा कार्य करने की जरूरत है। उन्हें आदमियों में लायबिलिटी और एसेट के बीच की लाइन को समझना होगा। इसके लिए कार्यक्षेत्र में लगे लोगों का मूल्यांकन करके संस्थान के कल्चर को उच्च श्रेणी का बनाना होगा।

उपर्युक्त बिंदु एक संस्थान में वैसे ही काम करते है, जैसे शरीर में कैंसर की तरह काम करते हैं। आज संस्थानों में शीर्ष अधिकारियों में Gen X / Millennials पाए जाते हैं। यह वह लोग है जो वर्ष 1965 से 1996 के बीच में जन्मदिन मनाते हैं।

यह लाल फीताशाही और माइक्रो मैनेजमेंट में काम करना पसंद नहीं करते। **अब क्या करे?**

**कुछ महत्वपूर्ण बिंदु जो संगठन कल्चर पर विचार करने के लिए महत्वपूर्ण हैं -**

- संस्थान की कथनी और करनी का एकाकार।
- कर्मचारी बेझिझक, अपने सवालों का जवाब प्राप्त कर सकें।
- टीमवर्क में काम करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित और बढ़ावा दे।
- कर्मचारियों में निरंतर सीखने और स्किल में बढ़ाने के लिए कार्य करे।
- अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को ईनाम/सुविधा दे और आगे बढ़ाए।
- पेशेवर जीवन और परिवारिक जीवन को संतुलित करे और समय-समय पर परिवार के लोगों को भी सम्मानित करे।
- नेतृत्व की भूमिका में लोगों को अपने कर्मचारियों के साथ सहानुभूति और सम्मान के साथ व्यवहार करना चाहिए।
- कर्मचारियों के विचारों और सुझावों को महत्त्व देना और उन्हें लागू करना।

**उपरोक्त बातों पर ध्यान देकर संगठन एक सकारात्मक और उत्पादक कल्चर बना सकते हैं जो कर्मचारियों को प्रेरित और संतुष्ट रखता है।**

# त्योहारी एवं वैवाहिक सीजन की ग्राहकी से सूटिंग-शर्टिंग में कामकाज तेज

**मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय**

रोशनी के त्योहार दीपावली पर थोक कपड़ा बाजार में पहले जैसी चमक नहीं है। एक सप्ताह पहले ही थोक कपड़ा बाजार में कारोबार घटने लगा है। व्यापारी, मिले ऑर्डर को पूरा करने में लगे हैं। इसके विपरीत खुदरा बाजार में कारोबार बढ़ा है। फैशनेबल कपड़ों के साथ घरेलु उपयोग की चीजों की खरीदी ने जोर पकड़ा है। जीएसटी व आयकर में राहत तथा वेतन के साथ बोनस मिलने के कारण लोगों की खरीद शक्ति बढ़ी है। दीपावली के बाद लाभ पंचमी से जब बाजार में कारोबार शुरू होगा, तब इसमें निरंतरता रहने की उम्मीद की जा रही है। त्योहारों के साथ वैवाहिक सीजन का आगाज होने से ऐसा होना संभव लगता है।

दीपावली बाद बाजार लाभ पंचमी को खुलता है। गारमेण्ट कारखानों में इन दिनों कामकाज बंद रहने से चहल-पहल नही रहती है। दीपावली के बाद कपड़ों में कारोबार अच्छा होने की संभावना से खुदरा व्यापारियों के ऑर्डर बढ़े हैं। आगे वैवाहिक सीजन की ग्राहकी के साथ क्रिसमस, पोंगल, रमजान एवं ईद जैसे त्योहारों पर कपड़ों में ग्राहकी होने से कारोबार में एकरूपता देखने को मिल सकती है। आमतौर पर त्योहारों एवं वैवाहिक सीजन के अवसरों पर कपड़ों में कारोबार सामान्य सीजन की तुलना में हमेशा से अधिक होता है।

कपड़ा मिलों सहित पावरलूम यूनिट्स में कपड़ों के उत्पादन में स्थिरता है। कपड़ों की आपूर्ति लाइन अच्छी है। सूटिंग-शर्टिंग साहित सभी प्रकार के कपड़ों का बाजार में भरपूर स्टॉक है। कारण है कि ग्रे कपड़ों के साथ फिनिश में कामकाज साधारण रहा है तथा ग्रे कपड़ों के भाव स्थिर हो गए हैं। मौसम ने करवट बदलना शुरू कर दिया है और ठंडे प्रदेशों में वूलन कपड़ों की मांग बढ़नी शुरू हो गई है। कपड़ों में पूरा साल कामकाज की दृष्टि से बिल्कुल साधारण रहा है। पिछले एक साल से किसी भी सीजन में कपड़ों में कारोबार मिलों, कपड़ा उत्पादकों, प्रोसेसरों एवं व्यापारियों के बैरोमीटर पर खरा उतरा ही नहीं है। सीजन के दौरान भी फिनिश कपड़ों में कारोबार अपेक्षा से कम रहा था। जिस तरह का उछाल बाजरों में होना चाहिए, वैसा नही होने के कारण निर्यात के साथ स्वदेशी बाजारों में उत्पाद करती मिलों को निर्यात में गिरावट की आशंका है। अमेरिकी टैरिफ का असर गारमेण्ट और कपड़ों के निर्यात में दिखाई देने लगा है।

इसके असर को कम करने के लिए सरकार की ओर से स्वदेशी की मुहिम चलाई गई है, ताकि टेक्सटाइल उत्पादों की मांग को प्रोत्साहित किया जाए। मुम्बई में भारत एवं यूके के बीच मुक्त व्यापार करार होने से ब्रिटेन के साथ भारत का क्लोदिंग व्यापार शुल्क मुक्त हो जाने से कई गुना बढ़ सकता है। इस दीपावली पर बाजारों में जमकर खरीदी की और ग्राहकों के उमड़ने से रौनक लौट आई है। थोक में कपड़ा कारोबार कम समय में अच्छा रहा है। सभी किस्म के कपड़ों में कारोबार एक पखवाडा के करीब ऐसा रहा है कि व्यापारियों को अब मिले ऑर्डर पूरे करने के लिए ऐडी-चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है और बाजार बंद होने से पहले रिटेलरों तक माल पहुँचाना है। दीपावली के बाद त्योहारों के साथ अब वैवाहिक सीजन की मांग रहेगी। साथ ही ईद एवं क्रिसमस जैसे त्योहारों की ग्राहकी रहने से कपड़ा बाजार में न केवल कारोबार बढ़ेगा, बल्कि ग्राहकी की कमी नहीं रहेगी।

सूटिंग-शर्टिंग में मिलों की बेहतरीन वैरायटी में सेल अच्छा रहा है। सूटिंग की तुलना में शर्टिंग की बिक्री सबसे अधिक रही हैं। इस दौरान कॉम्बो पैक में ग्राहकी अच्छी रही है। साथ ही वैल्यू एडेड फैंसी कपड़ों की मांग अधिक रही है। इसमें विस्कोस, रेयॉन बेस्ड कपड़ों की पूछताछ और खरीदी ठीक रही है तथा प्लेन, कलर में नेवी ब्लू, डार्क ग्रीन इत्यादि की मांग रहीं है। साड़ियों में कारोबार नई ऊँचाइयां छूने से मीडियम रेंज से लेकर ऊँचे मूल्य की साड़ियों की बिक्री दीपावली से पूर्व थोक एवं खुदरा बाजार में बहुत अच्छी रही है। साथ ही लहंगा, सूट एवं दुपट्टा, पार्टी वियर साड़ियां, वैल्यू एडेड फैंसी साड़ियों की डिमाण्ड अच्छी रही है।

# आगामी सीजन को लेकर व्यापारियों में हलचल

**बालोतरा/ लालचन्द पुनित**

औद्योगिक क्षेत्र में अवकाश के फलस्वरूप विरानी का वातावरण व्याप्त हैं। लाभ पंचमी के साथ कुछ हलचल प्रारम्भ हो सकेगी। फिलहाल जल प्रदूषण निवारक एवं नियंत्रक ट्रस्ट रख-रखाव के संदर्भ में कारखानों का प्रदूषित जलशोधन हेतु नही लेने से औद्योगिक प्रक्रियाएँ गतिहीन बनी हुई है। सीईटीपी द्वारा अपशिष्ट जल लेने के साथ ही उत्पादन प्रक्रियाएँ प्रारम्भ हो सकेगी। मौसम साफ होने से उत्पादन की क्रियाएँ जब भी प्रारम्भ होगी, तब माल तैयार होने की गति में तीव्रता आए बिना नहीं रहेगी। सप्ताह भर बाद श्रमिकों के काम पर लौटने से ही उत्पादन क्रियाओं में जान आ सकेगी। वर्तमान में धुपाई, रंगाई-छपाई, फोल्डिंग, फिनिशिंग के साथ फोल्डिंग तक का कार्य शून्य स्तर पर है। कारखानों में चौकीदार के अलावा कोई प्रक्रिया नजर नही आती।

अनुभवी उद्यमियों का कहना है कि इस बार दिवाली की रोशनी स्थिर रहीं, इसलिए वर्ष पर्यन्त उत्पादन व चालानी का क्रम सुहावना ही बना रहेगा। ग्रे मार्केट सामान्य स्थिति में है, परन्तु उत्पादन में गति प्रस्फुटित होने पर ग्रे क्लॉथ के सौदों की आशाएं बलवती हुए बिना नहीं रहेगी। ब्राण्डधारक प्रतिष्ठानों के पास ऑफर्स की कमी नही हैं, क्योंकि इनकी साख इनके माल की गुणवता के कारण है। स्थानीय उद्यमियों ने क्वालिटी व आकर्षक पैकिंग की ओर ध्यान देने से इनके व्यापारी व ग्राहक संतुष्टि का अनुभव कर रहे हैं। उत्पादकों के ऐसे ग्राहक सदा उनसे जुड़े रहते हैं। स्थानीय उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी हुई है। पोपलीन, पेटीकोट, अस्तर, रूबिया, पोकेटिंग क्लॉथ, टेन्ट क्लॉथ, शर्टिंग, लिजीबिजी, केशमेंट, साड़ीफॉल आदि के नियमित ग्राहक होने से उत्पादन को बल मिल रहा है। समग्र रूप से जल प्रदूषण के संदर्भ में जो योजना विचाराधीन चल रही है। उसको अमली जामा पहनाने में सरकार, जनप्रतिनिधि व उद्यमियों ने पूरजोर लगाया। पाली, जोधपुर, बालोतरा, बिठुजा, जसोल आदि को राहत का एहसास होगा।

दीपावली के सभी कार्यक्रम शान्ति की सौन्धी सुगन्ध के मध्य भव्यता के साथ सम्पन्न होने से धार्मिक अनुष्ठानों व ऐसे ही कार्मिकों को प्राथमिकता मिली। शुभकामनाओं का आदान -प्रदान प्रत्यक्ष रूप से कम, परन्तु मोबाइल सन्देशों में विशेष रूप से प्रवाहित रहा। समय परिवर्तन होने से एक नए अध्याय के सूत्रपात को अवसर मिल रहा है, जिसका अंजाम आगे ही प्रकट हो सकेगा।

Sushil jain
7666625251
Arvind F. Jain
9820067944
SAGAR
Kotwala Synthetics
Dealer of Imported Knitted, Suiting, Shirting Fabrics
Shop No.: 52/56 Vithalwadi, Ground Floor, Shop No. 2
Kalbadevi Road, Mumbai-400 002, Tel.: 22404798/2242 4477
Email: kotwalasynthetics5256@gmail.com

# रूई के घट रहे भाव से बाजार का सेंटीमेंट मंद

**मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय...** स्थानीय वस्त्र बाजार में कपास की नई आवक आने से पुराना स्टॉक कम करने के लिए सीसीआई द्वारा भाव घटाने तथा रूई का आयात बढ़ने से घरेलु एवं वैश्विक बाजार में पिछले पंद्रह दिनों से रूई के घट रहे भाव से बाजार का सेंटीमेंट मंदा है। दिवाली से पहले देशभर में कपास की दैनिक आवक एक लाख गांठ पार कर चुकी है। जानकारों का कहना है कि दीपावली के बाद यह आवक बढ़कर दैनिक 1.5 लाख गांठ पहुँच सकती है, लेकिन कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों से कपास की खरीदी शुरू नही किए जाने से खुले बाजार में कपास के भाव नीचले स्तर पर होने से किसानों की उलझने बढ़ी है। रूई का स्थानीय भाव बहुत अधिक दबाव में है और मिलों की मांग नही है। नई कपास की आवक बढ़ रही है तथा पिछले पंद्रह दिनों से अंतरराष्ट्रीय भाव घट रहे हैं। जिन स्पिनिंग मिलों एवं व्यापारियों ने पहले के भाव पर विदेशी बाजारों में रूई का आयात सौदा कर लिया है और उनका माल शिपमेंट के तहत है तो घटते बाजार में इनकी मार्जिन भी दबाव में आ गई है। वैश्विक स्तर पर चीन, ब्राजील और अमेरिका में बड़े पैमाने पर रूई का उत्पादन होने और उस अनुपात में रूई की खपत नही बढ़ने के अनुमान से हाल ही अंतरराष्ट्रीय भाव मंदी की चपेट में आ चुका है। चीन में रिकॉर्ड उत्पादन अनुमान से आयात वर्ष 2025-26 में 70 लाख गांठ तक सीमित रह सकता है, जो पूर्व में 190 लाख गांठ था। घरेलु मोर्चे पर स्थिति विपरीत लग रही है। नई आवक दिनोंदिन बढ़ रही है। जानकारों के अनुसार सीसीआई की ओर से अभी तक खोले गए खरीदी सेंटरों पर सीधे किसानों से कपास की खरीदी नहीं किए जाने और खुले बाजार में भाव कम होने से किसानों की उलझने बढ़ी हैं। ऐसी रिपोर्ट है कि कपास की खरीदी शुरू करने में विलंब का कारण जिनिंग इकाइयों के साथ जिनिंग दर संबंधित अनुबंध का नही होना हो सकता है। आशा है कि जैसे ही यह अनुबंध हो जाता है उसके बाद सीसीआई द्वारा यथाशीघ्र खरीदी शुरू की जाएगी। यद्यपि सीसीआई ने सीजन शुरू होने से पहले ही किसानों से सीधे कपास खरीदी करने की तैयारी की है।

**उत्पादन -** एक ओर देश में करीब 25 लाख गांठ रूई आयात होने की खबरें आ रही है, वहीं दूसरी ओर ब्राजील, अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया जैसे कपास उगाने वाले देशों में स्थानीय खपत कम है। इससे वैश्विक बाजार में रूई की सप्लाई अधिक और मांग कम होने के कारण अमेरिकी वायदा बाजार में भाव घटे हैं। इन सभी स्थितियों का सीधा असर देश में रूई के भाव पर पड़ रहा है। मिलों एवं व्यापारियों द्वारा विदेशों से आयात बढ़ाए जाने से हाजिर बाजार में रूई की मांग कम हो गई है। पिछले पंद्रह दिनों से रूई के भाव पर इतना दबाव बना जो ऐसा पहले नहीं था। सीसीआई ने स्टॉक कम करने के इरादे से पुरानी रूई का भाव प्रति खंडी 400 रूपए तक घटाया है, लेकिन लेवाली में उत्साह नहीं है।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डी.बी. कॉर्प लि., 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।

हम मानते हैं
बच्चे देश का भविष्य हैं
और वालजी यूनिफॉर्म के आरामदायक फेब्रिक्स और आकर्षक डिज़ाइन, इन बच्चों के स्कूल जीवन में उन्हें स्मार्ट और प्रेज़ेंटेबल बनाकर, उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।
SINCE 1981
DARSHAN
Valji®
PRESENTING
INDIA'S UNIFORM EXPERTS
office@valji.in | www.valji.in
Innervoice/Val/25-1

CMAI
NORTH INDIA
GARMENT FAIR
NORTH INDIA GARMENT FAIR
EDITION 03
25, 26 & 27 NOVEMBER 2025
YASHOBHOOMI CONVENTION CENTRE DWARKA, NEW DELHI
CONNECT WITH INDUSTRY LEADERS, INNOVATORS, & FASHION ENTREPRENEURS.
NIGF
SCAN HERE FOR FREE REGISTRATION
For more information contact at 022 44750909 / info@cmai.in

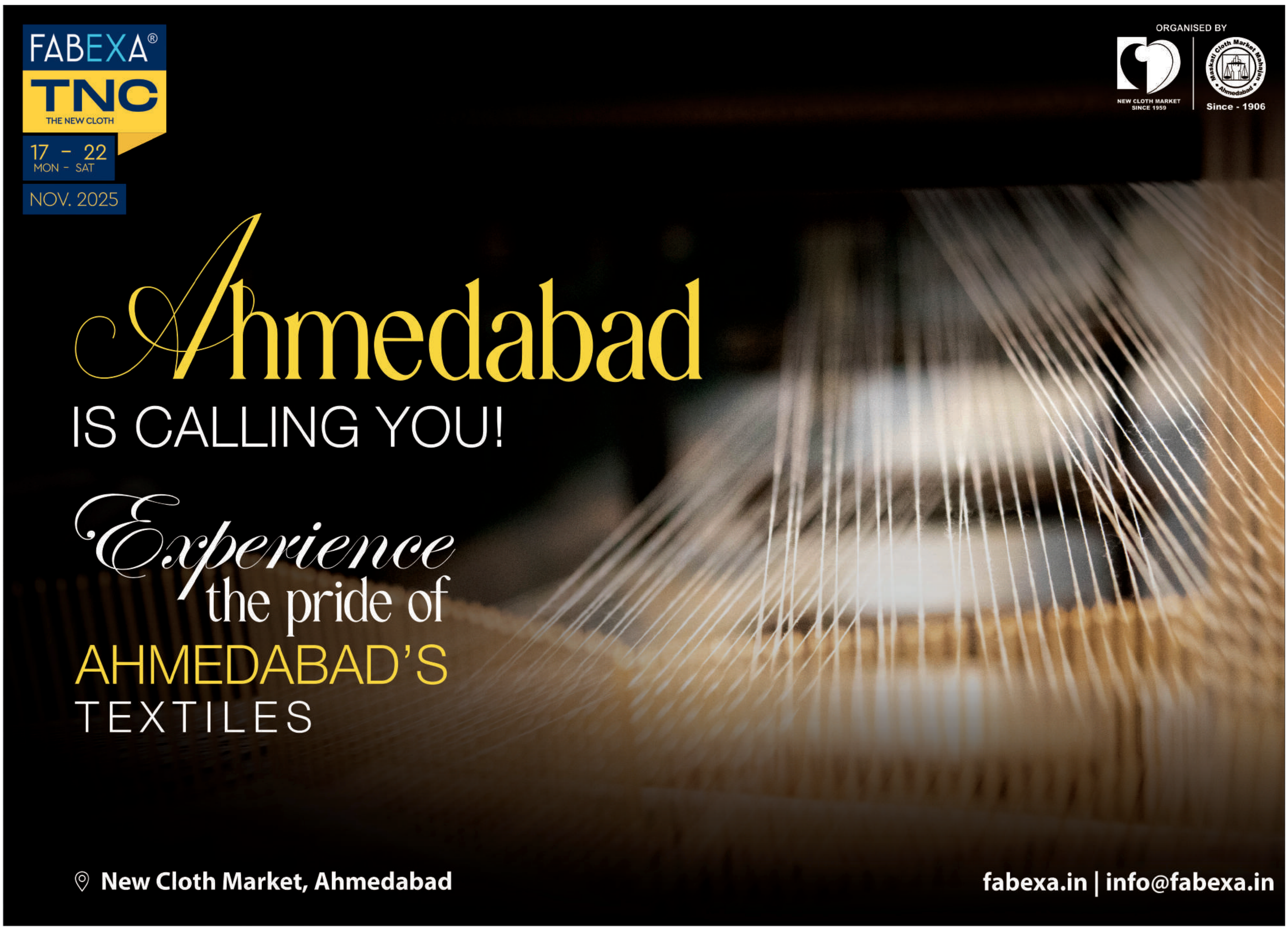
FABEXA®
TNC
THE NEW CLOTH
17 - 22
MON - SAT
NOV. 2025
ORGANISED BY
NEW CLOTH MARKET SINCE 1959
Since - 1906
Ahmedabad
IS CALLING YOU!
Experience the pride of
AHMEDABAD'S
TEXTILES
New Cloth Market, Ahmedabad
fabexa.in | info@fabexa.in

# टेलरिंग की दुनिया के तीन दिग्गज एक साथ

# यश कॉटन कॉर्पोरेशन द्वारा टेलरिंग लीजेंड्स महासंगम का सफल आयोजन सम्पन्न

मुम्बई/ भारतीय वस्त्र बाजार को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ यश कॉटन कॉर्पोरेशन के चेयरमैन श्री हरेश मेहता द्वारा 13 अक्टूबर 2025 को एक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया, जहाँ टेलरिंग की दुनिया के तीन दिग्गज श्री जीतूभाई मर्चेंट (लालूभाई), श्री बिपिनभाई चौहान (जेड ब्ल्यू ग्रुप) एवं श्री विकास राठौड़ (विक्की टेलर ग्रुप) द्वारा टेलरिंग के क्षेत्र को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने विचार टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के उपस्थित रिटेलर्स को बताएं। इस कार्यक्रम को आर जे गौरव (रेडियो सिटी) द्वारा होस्ट किया गया।

**● श्री हरेश मेहता ने बताया कि कपड़े के बाजार में लगभग 20-25 सालों से टेलर्स की कमी महसूस की जा रही है, इसके पीछे अनेक कारण है। जैसे- ऑनलाइन मार्केट, गारमेण्ट इंडस्ट्रीज के बढ़ते चलन लेकिन अगर हमें इन सभी को पीछे छोड़ना है तो टेलरिंग को वापस चलन में लाना होगा। हर रिटेलर्स को अपनी शॉप में टेलर का एक डिपार्टमेंट बनाना होगा ताकि ग्राहक हमसे हमेशा जुड़ा रहे। जब हम एक छत के नीचे फैब्रिक से लेकर टेलरिंग की सुविधा उपलब्ध कराते है तो उपभोक्ता को अच्छा महसूस होता है कि यहाँ हर सुविधा उपलब्ध है। हमें कहीं और जाने की आवश्यकता नही है। अगर हर रिटेलर इसी ओर अपने कदम बढ़ाए तो अब समय दूर नही है कि ग्राहक सिलाई की ओर कदम बढ़ाएगा।**

### श्री जीतूभाई मर्चेंट (लालूभाई)

भारतीय वस्त्र बाजार में टेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और ए. सेक्वेरा बेस्पोक अकादमी के संस्थापक ने बताया कि लगभग 15 वर्ष की आयु से टेलर का कार्य कर रहा हूँ। जब पिताजी के साथ इस कार्य में आए तो पेंट काटने से शुरूआत हुई। उस समय दर्जी यानी टेलर को छोटी कैटेगरी से लिया जाता था, लेकिन पिताजी का रूतबा बहुत बड़ा था। आज उन्हीं की रॉयल्टी हमें मिल रही है, इससे यह महसूस हुआ कि आपका टेलरिंग बहुत मजबूत होना चाहिए। धीरे-धीरे कार्य करते गए, रिजल्ट आता गया और आज ऐसी जगह पर खड़े है कि उपभोक्ता हमारे साथ वर्षो से जुड़ा है।

### श्री बिपिनभाई चौहान (जेड ब्ल्यू ग्रुप)

लगभग 12 वर्ष की आयु में ही टेलर का कार्य शर्ट से शुरूआत की तथा निरंतर मन में दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते गए और आज छह पीढ़िया इसी में कार्य कर रही है- शायद जेड ब्ल्यू विरासत में मिला हो। हमारा एक ही उद्देश्य था कि जो ग्राहक हमारे साथ जुड़ा हुआ है, उसे अपना बना लो और आज जेड ब्ल्यू किसी परिचय का मोहताज नहीं है।

### श्री विकास राठौड़ (विक्की टेलर ग्रुप)

एक युवा एवं एनर्जेटिक डिजाइनर जिन्होंने टेलरिंग की दुनिया में चाक-बटन से शुरूआत करते हुए आज फैशन जगत के विशेषज्ञ के रूप में अपनी पहचान बनाई है। आज टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज में जितने भी अच्छे ब्राण्ड है, वे सभी इनसे जुड़े हुए है। उन्होंने कहा कि हर रिटेलर को अपनी दुकान से टेलरिंग का डिपार्टमेण्ट रखना होगा और उन्हें मालिक की तरह आगे बढ़ाना होगा ताकि टेलरिंग को बढ़ावा मिल सके।

### चर्चा के मुख्य अंश

- हर टेलर को अपनी दुकान पर छोटी-छोटी बात का ध्यान रखना होगा। चाक-बटन पर डिजाइन, कालर पर ग्राहक का टेग, पैकिंग आदि अनेक ऐसी छोटी-छोटी बाते हैं जो उन्हें खूबसूरत बनाती है, जिससे ग्राहक हमेशा जुड़ा रहें।
- आज के परिपेक्ष्य में टेलरिंग पीछे रहने वाली नही है। हमेशा कुछ नया सीखने की चाह के साथ नयी जनरेशन इस ओर आगे बढ़ रही हैं। हम अपनी अकादमी के माध्यम से उन्हें प्लेसमेंट भी उपलब्ध करा रहे हैं।
- हमें ग्राहक का पूरा मेजरमेंट लेना चाहिए ताकि जब भी ग्राहक कहे मुझे ट्राउजर, शर्ट, कुर्ता-पायजामा, सूट जोधपुरी इत्यादि में से कुछ भी सिलानी हो तो हम उसे मिलकर दे सकते हैं, इससे वो कहीं और नहीं जाएगा। उसे पता होगा कि वहाँ जाए ताकि किसी प्रकार की फिटिंग में परेशानी ना हो।
- गारमेण्ट को कम्पीट करना हो तो बेस्ट टेलर मास्टर को अपनी दुकान पर बैठना होगा।
- जो रिटेलर फैब्रिक का कार्य करते है, उन्हें टेलरिंग रखना अति आवश्यक है। इसका परिणाम आना निश्चित है।
- कभी भी डिजाइनर कार्य नहीं करता है, अपितु टेलर ही कार्य करता है। हर फैब्रिक की सिलाई करने में टेलर का महत्त्व ज्यादा होता है।
- रेडीमेड गारमेण्ट कम प्राइस पर बिकता है। बेस्कोप ऐसी चीज है, जहाँ कम्पलीट मेजरमेंट लिया जाता है, जो ग्राहक को आपकी ओर आकृषित करता है।
- टेलरिंग का निरंतर अनुभव होना आवश्यक है। ऐसे ग्राहक भी होते है जो हमें बताते है कि हमें इस प्रकार का डिजाइन चाहिए या उस प्रकार का चाहिए। ऐसे ही हमें अनुभव के साथ आगे बढ़ना चाहिए।
- गारमेण्ट मार्केट को कम्पीट करने के लिए हमें टेलरिंग के महत्त्व को समझना होगा। हर डिजाइनर आपकी पर्सनैलिटी को पहचान लेता है कि हम पर कार्य सूट करने वाला है। वो उसी प्रकार का डिजाइन करता है और हमें पहनाता है ताकि हम हर इवेंट के लिए खास बन सके।
- ग्राहक का विश्वास अर्जित करना जरूरी है। उनसे रिलेशन अच्छा होना आवश्यक है।
- अगर हमारे पास परिवार में आदमियों की कमी है तो टेलरिंग डिपार्टेट के लिए अपने अच्छे व पुराने स्टाफ को टेलरिंग सिखाना चाहिए, जिससे टेलरिंग को आगे बढ़ा सकते हैं।
- हर शहर में टेलरिंग इंस्टीट्यूट होना चाहिए ताकि नये-नये लोग इसमें कार्य कर सके।
- अगर हमारे द्वारा सिले गए कपड़ों की फिटिंग सही नहीं होती है, तो हमें निरंतर सिखना चाहिए और हताश होने की आवश्यकता नहीं है। बेहतर सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इन सभी बातों पर हम ध्यान देते हुए टेलरिंग पर ध्यान देंगे तब ही गारमेण्ट इंडस्ट्रीज से आगे निकलकर एक बार फिर टेलरिंग बाजार में दिखाई देगी।

# भीलवाड़ा में प्रोसेसर्स के 2% लेवी विवाद का शांतिपूर्ण समाधान

## सांसद श्री दामोदर अग्रवाल ने निभाई अहम भूमिका : उद्योग जगत ने जताया आभार

टेक्सटाइल संघर्ष समिति के प्रयासों और उद्योग जगत की एकजुटता से सुलझा विवाद

भीलवाड़ा / सत्य प्रकाश...विगत दिनों भीलवाड़ा की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में प्रोसेसर्स एसोसिएशन द्वारा अतिरिक्त 2 प्रतिशत लेवी चार्ज लागू किए जाने के विरोध में सूटिंग फैब्रिक निर्माताओं और प्रोसेसर्स के बीच जबरदस्त गतिरोध देखने को मिला। इस निर्णय से आक्रोशित उद्यमी सड़कों पर उतर आए और भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। हालांकि, भीलवाड़ा सांसद एवं भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल की सक्रिय पहल और नेतृत्व से यह विवाद शांतिपूर्वक सुलझा लिया गया, जिससे उद्योग में पुनः विश्वास और स्थिरता का माहौल बना।

### फेडरेशन और लघु उद्योग भारती की सक्रिय भूमिका

इस विरोध प्रदर्शन में भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन और लघु उद्योग भारती के कार्यकर्ताओं ने अहम भूमिका निभाई। उद्यमियों का कहना था कि पहले से ही उद्योग पर लागत बढ़ने का दबाव है, ऐसे में अतिरिक्त लेवी अनुचित है और इससे मण्डी की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ेगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मामले के समाधान हेतु टेक्सटाइल संघर्ष समिति का गठन किया गया, जिसमें भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के संस्थापक श्री श्याम चांडक, अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल, श्री रामेश्वर काबरा, श्री प्रेमस्वरूप गर्ग तथा टेक्सटाइल उद्यमी श्री शिव कुमार सोड़ानी, श्री संतोष आगाल, श्री महेश हुरकट, श्री सुरेश जाजू, श्री गोपाल झँवर, श्री नंदकिशोर झँवर, श्री दीपक बंसल, श्री योगेश बियाणी, श्री सुशील चौरड़िया, श्री कैलाश बिड़ला, श्री सौरभ बेसवाल, श्री रामपाल असावा, श्री अविनाश सोमाणी, श्री सी. के. संगतानी जैसे उद्योगजगत के प्रमुख नाम शामिल थे।

### उद्योग जगत ने जताया आभार

इस संवेदनशील मुद्दे के सफल निस्तारण के बाद भीलवाड़ा के टेक्सटाइल उद्यमियों ने संसद श्री दामोदर अग्रवाल के प्रति आभार प्रकट किया और उनका सम्मान करते हुए कहा कि उनकी पहल से उद्योग के हित सुरक्षित रहे हैं।

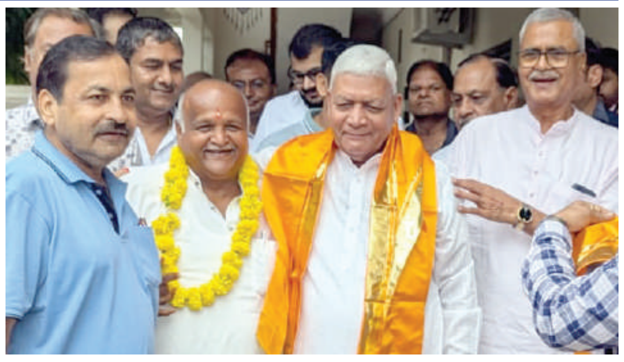

### सांसद श्री दामोदर अग्रवाल की पहल से उद्योग में लौटा विश्वास

इस पूरे प्रकरण में भीलवाड़ा सांसद एवं फेडरेशन अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने प्रोसेसर्स एसोसिएशन और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत वार्ता करते हुए स्पष्ट कहा कि 'एडिशनल 2 प्रतिशत लेवी चार्ज पूर्णतः अनुचित है। एक ओर सरकार GST रिफॉर्म्स के माध्यम से उद्योग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर ऐसे निर्णय उद्योग को कमजोर करते हैं।' श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि जिन वस्तुओं पर GST में कमी की गई है, उसका लाभ भीलवाड़ा टेक्सटाइल इंडस्ट्री को मिलना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों को समझाइश देकर इस मुद्दे का सौहार्दपूर्ण समाधान कराया, जिससे मण्डी को बड़े नुकसान से बचाया जा सका।